हरिभूमि
रायपुर भूमि

एक मरीज के साथ, एक टैरिस में

डीकेएस प्रबंधन द्वारा ऊपरी माले में मरीजों के परिजन के रहने की व्यवस्था की गई है। यहां मरीज के एक परिजन रह सकते हैं। एक अन्य परिजन को मरीज के साथ वार्ड में रहने की इजाजत रहती है। इसके अतिरिक्त मरीजों के परिजन उनसे मुलाकात को कर सकते हैं, लेकिन पूरे वक्त के लिए अंदर परिसर में नहीं रह सकते हैं।

एक मरीज संग सिर्फ दो परिजनों की इजाजत बाकी बाहर ठिठुराती ठंड में गुजार रहे रात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डीकेएस के बाहर पार्किंग में ठिठुराती ठंड में मरीजों के परिजन रात गुजारने के लिए बाध्य हैं। ऐसा अस्पताल प्रबंधन के नियमों के कारण है। दरअसल एक मरीज के साथ केवल दो परिजनों को ही अस्पताल परिसर में ठहरने की अनुमति है, लेकिन मरीजों की परवाह में पूरा कुनबा ही पहुंच जाता है। नियमतः दो मरीजों को अंदर रुकने दिया जा रहा है, लेकिन बाकि बाहर ही ठहर रहे हैं। डीकेएस में लगभग बारह मास यही स्थिति रहती है, लेकिन सर्दी के मौसम में परेशानी बढ़ जाती है। नए साल के साथ ही तापमान में तेजी के साथ गिरावट हुई है। रात का तापमान 12 डिग्री तक पहुंच गया है। इस सर्दी में उन्हें बाहर ही रात बितानी पड़ रही है।

बाहर पार्किंग में मच्छरदानी सहित अन्य व्यवस्थाएं करके परिजन रात गुजार रहे हैं। इसमें बच्चों के साथ ही महिलाएं और वृद्ध भी शामिल हैं। अधिकतर दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजन हैं, जिनके लिए वापसी का रास्ता लंबा होता है। राजधानी अथवा रायपुर के आस-पास रहने वाले परिजनों को अधिक समस्या नहीं होती है, किंतु शेष के लिए किसी तरह की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है।

आंबेडकर अस्पताल में गलियारे में डेरा

आंबेडकर अस्पताल में भी एक मरीज-एक परिजन पॉलिसी लागू है। यहां भी वार्ड के अंदर सिर्फ एक ही परिजन रह सकते हैं। लेकिन अस्पताल परिसर बड़ा होने के कारण यहां गलियारे में परिजन ठहर जाते हैं। उन्हें बाहर रूकने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इसके अलावा डीकेएस में मुख्य द्वार पर गार्ड तैनात रहते हैं। वे पूछताछ और कार्ड दिखाए जाने के बाद ही मरीजों के परिजनों को अंदर जाने की अनुमति देते हैं, जबकि आंबेडकर अस्पताल में ऐसी व्यवस्था नहीं है। केवल वार्ड का ही निरीक्षण राउंड के दौरान किया जाता है।

- मरीजों की परवाह में पहुंच रहा पूरा कुनबा, लेकिन नियमों के चलते बाहर ही रुकना पड़ रहा
- पूरे वर्ष रहती है यही स्थिति, लेकिन सर्दियों में बढ़ जाती है समस्या

खबर संक्षेप

ट्रैफिक अफसर, कर्मियों की एसपी ने ली बैठक

रायपुर। सड़क सुरक्षा सप्ताह के दूसरे दिन एसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह ने ट्रैफिक पुलिस अफसर तथा कर्मियों की बैठक ली। बैठक में एसपी ने ट्रैफिक पुलिस को शहर की यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन के लिए अपना शत-प्रतिशत योगदान देने निर्देश दिए। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा ई-चालान कार्रवाई के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा बॉडीवॉर्न कैमरा रिफ्लेक्टिव जेकेट बैटन लाइट लॉक समेत सभी उपकरणों का उपयोग करने निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने इंजीनियरिग सुधार एवं इनफोर्समेंट की कार्रवाई करने के लिए एसपी ने निर्देश दिए।

ट्रेलर चालक से चाकू की नोक पर लूट

रायपुर। राजस्थान के एक ट्रेलर चालक ने बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ आमानाका थाने में चाकू की नोक पर 35 हजार रुपए लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रार्थी बाड़मेर निवासी मानाराम चौधरी ने पुलिस को बताया कि बुधवार को बिलासपुर हाईवे बाइपास रोड पर उसने ट्रेलर खड़ा किया था। इसी दौरान बाइक सीजी 04 एनएस 0919 पर सवार तीन बदमाश जबरन गेट खोलकर ट्रेलर के अंदर दाखिल हुए और चाकू की नोक पर किराया भाड़ा लूटकर मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने तीन सौ गुम मोबाइल लौटाए

रायपुर। नए साल के दूसरे दिन एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह ने तीन सौ गुम मोबाइल की पतासाजी कर मोबाइल मालिकों को लौटाकर नए साल का गिफ्ट दिया है। पुलिस द्वारा गुम मोबाइल ओडिशा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड तथा बिहार से बरामद किए गए। पुलिस ने पिछले वर्ष 2024 में सवा दो करोड़ रुपए कीमत के 1051 नग मोबाइल ढूंढकर मोबाइल मालिकों को लौटाए थे।

रायपुर से गुजरने वाली स्पेशल ट्रेनों में बुकिंग अधिक, प्रयागराज जाने आसानी से मिल रही कन्फर्म सीट

महाकुंभ स्पेशल, एसी कोच में टिकट कन्फर्म स्लीपर में वेटिंग, सात ट्रेनों की 5000 सीटें बुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

13 साल बाद प्रयागराज में महाकुंभ का मेला सजने जा रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए सभी राज्यों से बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। छत्तीसगढ़ से महाकुंभ जाने के लिए 5 से अधिक स्पेशल ट्रेनों की घोषणा हो चुकी है। नियमित ट्रेनों के पैक होने से अब स्पेशल ट्रेनों में बुकिंग बढ़ने लगी है। आलम यह है कि रोज रायपुर मंडल से 60 से अधिक टिकट महाकुंभ को जाने को लेकर बुक हो रहा है। हरिभूमि ने जब स्पेशल ट्रेनों की पड़ताल की, तो पता चला, 8 फरवरी को रायपुर से होकर स्पेशल ट्रेन गुजरेगी, जिसमें अभी थर्ड ऐसी में 22 वेटिंग है, तो वहीं स्लीपर में 63 आरएसी हो चुका है। ऐसे में रेलवे को अब इस ट्रेन में अतिरिक्त कोच भी जोड़ना पड़ सकता है। हालांकि 22 फरवरी से बिलासपुर से प्रयागराज ⏭शेष पेज 13 पर

रेलवे बोर्ड ने स्टेशनों में बनाई ऑब्जर्वेशन रूम की व्यवस्था 24 घंटे मिलेगी यात्रियों को चिकित्सा सहायता

अभी तक 5000 से अधिक सीटों की बुकिंग

रेलवे ने 7 स्पेशल ट्रेनों की बुकिंग शुरू कर दी है, जिसमें स्लीपर और एसी कोच को मिलने पर 8400 से अधिक सीट है। वर्तमान में इन ट्रेनों के 5 हजार से अधिक सीट बुक हो चुकी है। रायपुर मंडल से स्पेशल ट्रेनों में 40 फीसदी बुकिंग है, तो वही 50 से अधिक प्रतिशत बिलासपुर से बताया जा रहा है। रेल अफसरों का कहना है कि स्पेशल ट्रेनों के परिचालन से अब 518 रुपए में स्लीपर को कोच में प्रयागराज का सफर कर रहे हैं। 7 स्पेशलों ट्रेनों सबसे अधिक स्लीपर में बुकिंग अधिक है। आरएसी होने के बाद अब कन्फर्म सीट मिलने के लिए यात्रियों को इंतजार करना होगा।

इन ट्रेनों से जा सकते हैं प्रयागराज

- 08530 विशाखपट्टनम-पंडित दीनदयाल उपाध्याय कुम्भ स्पेशल, विशाखपट्टनम से 09, 16 व 23 जनवरी तथा 06, 20 व 27 फरवरी 2025 प्रत्येक गुरुवार ट्रेन रायपुर से गुजरेगी।
- 08529 पंडित दीनदयाल उपाध्याय–विशाखपट्टनम कुम्भ स्पेशल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टेशन से 11, 18 व 25 जनवरी, 08 व 22 फरवरी तथा 01 मार्च 2025 (प्रत्येक शनिवार) रायपुर से रवाना होगी।
- गाड़ी संख्या 08562 विशाखपट्टनम-गोरखपुर कुम्भ स्पेशल, विशाखपट्टनम से 05 व 19 जनवरी तथा 16 फरवरी 2025 (रविवार) को सुविधा मिलेगी।
- 08561 गोरखपुर–विशाखपट्टनम कुम्भ स्पेशल, गोरखपुर से 08 व 22 जनवरी तथा 19 फरवरी 2025 (बुधवार) को सुविधा रहेगी।

48 घंटे में 4 डिग्री गिरा तापमान, दो दिन बाद फिर से छाएंगे बादल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर का तापमान दो दिन में ही 4 डिग्री गिर गया है। इसके कारण लोगों को सुबह और देर रात फिर से कंपकपाने वाली ठंड का सामना करना पड़ रहा है। 31 दिसंबर को रायपुर का न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री था। 2 जनवरी को राजधानी का न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है। 31 दिसंबर को अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री था जो 48 घंटे बाद अर्थात 2 जनवरी को 29.4 डिग्री रहा।

दो दिनों में ही न्यूनतम तापमान में तेजी के साथ आई इस गिरावट का असर लोगों की सेहत पर भी दिख रहा है। ⏭शेष पेज 13 पर

- 31 दिसंबर को 16.4 डिग्री था न्यूनतम तापमान, 2 जनवरी को यह 12.5 डिग्री हुआ

बलरामपुर में पारा 5 डिग्री

प्रदेश के कुछ हिस्सों में हाड़ कंपाने वाली ठंड का सामना लोग कर रहे हैं। गुरुवार को सबसे कम तापमान बलरामपुर में 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। सर्वाधिक तापमान 30.4 डिग्री बीजापुर में दर्ज हुआ। प्रदेश में मौसम शुष्क रहा। उत्तरी छत्तीसगढ़ में आज शीत दिवस की स्थिति रह सकती है। इसके अलावा मध्यम से घना कोहरा छाए रहने की भी आशंका व्यक्त की गई है। राजधानी सहित अन्य जिलों में भी ⏭शेष पेज 13 पर

नाली में बेटी की लाश मिलने के दूसरे दिन घर में मिला मां का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/धरसींवा

धरसींवा स्थित धनेली में गुरुवार को एक महिला की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। इसके एक दिन पूर्व खमतराई थाना क्षेत्र की नाली में मिली किशोरी की लाश की पहचान धनेली में मिली मृतका की बेटी के रूप में हुई है। मां और बेटी की हत्या कर बेटी की लाश धनेली से दो किलोमीटर दूर नाली में ले जाकर फेंकी गई है। हत्या की वजह क्या है, हत्या किन लोगों द्वारा की गई है, इस संबंध में पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं। मामले की जांच धरसींवा के साथ खमतराई तथा क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है।

धनेली में मिली महिला की पहचान हमीदा बेगम के रूप में की गई है। महिला अपनी बेटी के साथ रोड ऊपर बने मकान में रहती थी। महिला के पति की वर्षों पहले मौत हो चुकी है। पति की मौत के बाद हमीदा रोजी-मजदूरी कर अपना तथा अपनी बेटी का जीवन यापन कर रही थी। पुलिस को महिला के पड़ोसी ⏭शेष पेज 13 पर

- मामले की जांच दो थानों की पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम कर रही

गला घोंटने के बाद नस काटी गई

मौके की जांच करने पहुंची फोरेंसिक टीम ने पाया कि महिला की पहले गला घोंटकर हत्या की गई। इसके बाद उसके हाथों की नस काटी गई। हमीदा बेगम की बेटी की बुधवार को जो लाश मिली थी, उसकी कमर के पीछे की तरफ जख्म के निशान मिले थे। लाश अकड़ गई थी। मृतका के पड़ोसियों ने ⏭शेष पेज 13 पर

मृतका पूर्व में रायपुर में रहती थी

पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक मृतका हमीदा की ससुराल रायपुर है। वह वर्षों पहले अपने पति के साथ रायपुर में रहती थी। पति की मौत के बाद महिला अपने मायका धनेली चली गई और वहां प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान हासिल कर अपनी बेटी के साथ रहने लगी।

नहीं दिया प्रकाशक को पैसा, पापुनि के अकाउंट सेक्शन पर किया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के अकाउंट सेक्शन पर एक निजी प्रकाशक ने कब्जा कर लिया है। दरअसल भिलाई के एक प्रकाशक पर पापुनि के 88 लाख रूपए बकाया है। प्रकाशक ने पापुनि के लिए किताबें छापी थी, लेकिन निगम प्रकाशक की राशि तय वक्त पर प्रदान नहीं कर पाया। ⏭शेष पेज 13 पर

- भिलाई के एक प्रकाशक का 88 लाख रुपए है बकाया

महीनेभर पहले ले गया था कंप्यूटर

अंदरूनी सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रकाशक लगभग एक माह पूर्व दो कंप्यूटर ले गया था। इसके बाद भी पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रकाशक के पैसे भुगतान करने की प्रक्रिया ठप पड़ी हुई है। प्रकाशक ने बकाया ⏭शेष पेज 13 पर

55 नई और 4 पुरानी राशन दुकानों के लिए 600 से ज्यादा आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राशन कार्ड धारकों को सुविधा देने के लिए रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 55 नई राशन दुकानें खुलने जा रही हैं। इसके साथ 4 पुरानी राशन दुकानों का पुनः आवंटन होगा। इन दुकानों का पूर्व में आवंटन निरस्त किया गया था। इस तरह 59 दुकानों का आवंटन होना है। इसके लिए खाद्य विभाग ने आवेदन मंगाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। विभागीय अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार नई राशन दुकानों के लिए 6 सौ से ज्यादा आवेदन आए हैं। इन आवेदनों की अभी छंटनी होनी बाकी है। छंटनी के बाद शेष बचे आवेदनों में से 59 लोगों को नई राशन ⏭शेष पेज 13 पर

29 वार्डों में खुलेंगी नई दुकानें

शहर में 55 नई दुकानों को खोलने के लिए वार्ड तय कर लिए गए हैं। इसके तहत 55 नई दुकाने 29 वार्डों में खोली जाएंगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जिन वार्डों में राशन दुकानों में पंजीकृत कार्ड धारकों की संख्या 5 सौ से ज्यादा है। उसे ध्यान में रखते हुए वार्ड में नई दुकानें खोली जा रही है, ताकि उन वार्डों के हितग्राहियों को आसानी से राशन मिल सके।

दुकानों का आवंटन जल्द करेंगे

शहर में 55 नई एवं 4 पुरानी राशन दुकानों के आवंटन के लिए आवेदन मंगाए गए हैं। इन आवेदनों की छंटनी के बाद आगामी दिनों में जल्द ही दुकानें आवंटित कर दी जाएंगी। इन दुकानों के खुलने से हितग्राहियों को और ज्यादा आसानी से राशन मिल पाएगा।

- भूपेंद्र मिश्रा, खाद्य नियंत्रक खाद्य विभाग रायपुर

खबर संक्षेप

राज्यपाल को मुख्यमंत्री ने दी नए वर्ष की शुभकामनाएं

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से गुरुवार को राजभवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भेंट कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी और राज्य हित से जुड़े विषयों पर चर्चा की। श्री डेका ने भी उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को जशपुर जिले के स्थानीय उत्पाद भेंट किए। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने एक दूसरे को राजकीय गमछा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह भी उपस्थित थे।

सीएम साय ने किया महाराष्ट्र मंडल के कैलेंडर का विमोचन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को महाराष्ट्र मंडल के वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र मंडल रायपुर और बृहन्महाराष्ट्र मंडल के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष अजय काले व बृहन्महाराष्ट्र मंडल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शेखर राव साहेब अमीन ने उन्हें 10 जनवरी से शुरू हो रहे राष्ट्रीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का ससम्मान निमंत्रण दिया, जिसे सीएम ने अपने स्टाफ से चर्चा के बाद स्वीकार कर लिया। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर सुबोध टोले, श्याम सुंदर खंगन, विशाखा तोपखानेवाले, गीता श्याम दलाल, नमिता शेष, निरंजन पंडित, पारितोष डोनगांवकर और सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

जानबूझकर धान खरीदी को बाधित कर रही है सरकार

रायपुर। धान खरीदी में अव्यवस्था के कारण किसानों को हो रही परेशानी को लेकर सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा, पूरे प्रदेश के धान संग्रहण केंद्रों में बफर लिमिट से अधिक धान जाम हो चुका है, जिसके कारण धान खरीदी लगभग बंद होने की स्थिति में है। परिवहन और मिलिंग के अभाव में सोसाइटियां आगे की खरीदी से हाथ खड़ा कर रही हैं।

भाजपा के नए जिलाध्यक्षों का 6 को होगा ऐलान, 5 से होगी निर्वाचन प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में भाजपा के सभी 36 संगठनों जिलों में नए जिलाध्यक्षों का ऐलान 6 दिसंबर को हो जाएगा। चार दिसंबर को दिल्ली से यहां पर बंद लिफाफों में नाम पहुंच जाएंगे, इसके बाद पांच दिसंबर से विर्नाचन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। बंद लिफाफे जिले के चुनाव अधिकारी जिलों में लेकर जाएंगे। लिफाफा खोलने के बाद जिनका नाम निकलेगा, प्रक्रिया के तहत सबसे पहले उनका नामांकन भरवाया जाएगा, इसके बाद दूसरे दिन उनके नाम का ऐलान किया जाएगा। भाजपा का देशभर में संगठन चुनाव चल रहा है। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में पहले बूथ कमेटियां का चुनाव हुआ, इसके बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया गया। अब जिलाध्यक्षों का चुनाव होना है। इसके लिए सभी जिलों से दावेदारों के नाम कुशाभाऊ ठाकरे में मंगाकर 27 दिसंबर को प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन की उपस्थिति में तीन-तीन नामों का पैनल बनाया गया और इसको दिल्ली भेजा गया। 29 दिसंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय नेताओं के साथ प्रदेश के पदाधिकारियों का पैनल पर मंथन किया गया, इसके बाद नाम फाइनल कर लिए गए हैं। अब वहां से नाम आने बाकी हैं। नाम आने के बाद चुनाव की प्रक्रिया होगी।

दिल्ली से कल आएंगे बंद लिफाफों में नाम

नामांकन के दूसरे दिन होगी घोषणा

दिल्ली से बंद लिफाफों में नाम आने के बाद सभी जिलों के चुनाव अधिकारियों को लिफाफा सौंपा जाएगा। चुनाव अधिकारी अपने-अपने जिलों में जाएंगे और सबके सामने लिफाफा खोला जाएगा। उसमें जिनका नाम होगा, उनको प्रक्रिया के तहत नामांकन भरवाया जाएगा। नामांकन के बाद अगले दिन एक नामांकन होने पर उनको निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा। राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर सभी बूथों इसके बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया है। उसी तरह से अब जिलाध्यक्षों का चुनाव भी सर्वसम्मति से किया जा रहा है। हालांकि कुछ मंडलों में विवाद भी हुआ है, जिसके बाद वहां का चुनाव रद्द कर दिया गया है। अब जिलाध्यक्षों के नामों सामने आने के बाद ही मालूम होगा कि कहीं विवाद की स्थिति तो नहीं बनती है। जिलाध्यक्षों के लिए इस बार आयु सीमा 60 साल तय की गई है। इससे ज्यादा उम्र के किसी भी कार्यकर्ता को अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा।

पूर्व विधायक बृहस्पत, अनूप नाग, किस्मतलाल, रेणु और अमित जोगी के नाम

बागी और निकाले गए तीन दर्जन कांग्रेसी राजीव भवन के दरवाजे पर, विरोध भी...

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पास पार्टी में वापसी के लिए 35 से ज्यादा नेताओं के आवेदन कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन को मिले हैं। आवेदन आने के साथ ही पार्टी में इनकी वापसी का विरोध भी शुरू हो गया है। उल्लेखनीय है कि ये नेता पिछले चुनावों के दौरान पार्टी से बगावत कर गए थे। ये सभी अब पार्टी में वापस आना चाहते हैं।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में वापसी के लिए बृहस्पत सिंह, पूर्व विधायक अनूप नाग, किस्मतलाल नंद, आनंद कुकरेजा, पूर्व एमआईसी सदस्य अजीत कुकरेजा, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अजीत की पत्नी रेणु जोगी तथा उनके पुत्र अमित जोगी समेत कई बड़े नेता ऐड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। उन नेताओं में से कुछ का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध भी शुरू कर दिया है। इधर बृहस्पत सिंह और जोगी कांग्रेस के नेताओं और अजीत कुकरेजा का आवेदन आने के बाद अलग-अलग स्तर पर विरोध दिखने लगा है। बृहस्पत सिंह ने सीधे तौर पर पीसीसी पर आरोप लगाए थे, उसके बाद उन पर कार्रवाई की गई थी। इधर पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने भी अजीत कुकरेजा और आनंद कुकरेजा के वापसी को लेकर आपत्ति जताई है। उन्होंने पीसीसी अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी बात रखी है। बताया जाता है कि कांग्रेस में वापसी के लिए जिन नेताओं ने आवेदन किया है, उनके संबंध में निर्णय लेने से पहले इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि निष्कासित नेताओं को पार्टी में वापस लाने से कहीं पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल ना टूटे।

समिति के विचार के बाद पार्टी लेगी निर्णय

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जो निष्कासित लोग पार्टी में आना चाहते हैं, उन्होंने आवेदन किया है, अभी तक 35 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उनके आवेदनों पर गुण दोष के आधार पर विचार किया जाएगा। उसके लिए समिति बनाई गई है। उसके बाद पार्टी निर्णय लेगी कि निष्कासन रद्द करना है या नहीं।

स्थानीय नेताओं की अनुशंसा के आधार पर होगा निर्णय

समिति के सदस्य और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेंद्र साहू ने कहा, स्थानीय नेताओं की अनुशंसा के आधार पर निर्णय होगा। ब्लॉक, जिला कांग्रेस, प्रत्याशियों से रिपोर्ट मंगाएंगे। गुण दोष के आधार पर वापसी का मार्ग प्रशस्त होगा। ये नियम उनके लिए लागू होगा, जिन नेताओं ने कांग्रेस के अलावा किसी दूसरी पार्टी में दलबदल किया है या किसी बात लेकर उन्होंने पार्टी छोड़ी है। अगर वे पार्टी में वापस आना चाहते हैं, तो उनके लिए इन्हें स्थानीय स्तर के नेताओं द्वारा इसकी जानकारी दी जाएगी।

सभी परिस्थितियों पर विचार के बाद निर्णय

कांग्रेस में वापसी के लिए बनाई गई समिति की पहली बैठक दिल्ली में हो चुकी है। इसमें प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट सहित अन्य नेता शामिल हुए। समिति के नेताओं से कहा गया है कि मामले में सभी परिस्थितियों पर विचार के बाद निर्णय पार्टी द्वारा लिए जाएंगे। चुनाव के समय लोगों को टिकट नहीं मिला ,ऐसे लोग अधिक हैं। उसके अलावा पार्टी ने ऐसे नेताओं पर भी निष्कासन की कार्रवाई की जिन्होंने पदाधिकारियों पर सीधे आरोप लगाए थे। सभी मामलों के मद्देनजर निर्णय लिया जाएगा।

गुरु खुशवंत बोले- सत्ता में रहते कांग्रेस ने बीएड प्रशिक्षित शिक्षकों को छला

भाजपा शिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए प्रतिबद्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने बीएड प्रशिक्षित शिक्षकों की नौकरी को लेकर कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर ओछी राजनीति करने का आरोप लगाया है। खुशवंत साहेब ने कहा कि बीएड प्रशिक्षित शिक्षकों को पहले सत्ता में रहते हुए कांग्रेस की भूपेश सरकार ने छला और अब उन्हीं बीएड प्रशिक्षित शिक्षकों को उकसाकर एक तो अपने पापों पर पर्दा डालने का कृत्य बघेल कर रहे हैं, दूसरे इस मामले में तथ्य और सत्य से परे बातें करके प्रदेश को गुमराह कर अशांति व अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। भाजपा विपक्ष में थी तब भी इन शिक्षकों के साथ न्याय के लिए खड़ी थी और सत्ता में रहते हुए भी इन शिक्षकों के साथ न्याय करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुरु खुशवंत ने कहा, यदि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल में जरा भी नैतिकता शेष है तो बीएड प्रशिक्षित 2897 शिक्षकों के परिवारों का भविष्य तबाह करने की अपनी करतूत के लिए वह इन परिवारों से माफी मांगें। ये शिक्षक छत्तीसगढ़ की पिछली भूपेश सरकार सरकार के कृत्यों की सजा भुगत रहे हैं।

कांग्रेस सरकार ने भर्ती नियमों पर नहीं दिया ध्यान

गुरु खुशवंत ने कहा, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने लापरवाहीपूर्वक इन शिक्षकों के भर्ती नियमों में ध्यान नहीं दिया और सिर्फ अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए और अपने नेता राहुल गांधी के सामने वहवाही लूटने के लिए देर से नियुक्ति पत्र जारी किया जिसके कारण ये युवा आज बेहाल हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार इस मामले में समाधानकारक उपायों पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है, और न्यायालयीन आदेश से बीएड. अर्हता के आधार पर चयनित सहायक शिक्षकों की नियुक्ति आदेश निरस्त होने के उपरांत समाधानकारक संभावनाओं पर विचार-विमर्श के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय प्रशासनिक समिति का गठन भी किया जा रहा है। अप्रैल 2024 में हाई कोर्ट ने बीएड शिक्षकों के पद मुक्ति का आदेश दिया। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने अगस्त में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की, जिस पर फैसला लंबित है।

जेल में बंद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव अस्पताल में भर्ती, ऑपरेशन की तैयारी

रायपुर। बलौदाबाजार हिंसा केस में रायपुर सेंट्रल जेल में बंद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव का डीकेएस अस्पताल में ऑपरेशन किया जाएगा। देवेंद्र यादव का अस्पताल में हार्निया का ऑपरेशन होना है। देवेंद्र यादव का उपचार कराने जेल प्रशासन ने 27 दिसंबर को डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया है। सभी तरह के टेस्ट पूरे होने के बाद डॉक्टर देवेंद्र यादव का ऑपरेशन करेंगे। इसकी पुष्टि जेल सुपरिटेंडेंट अमित शांडिल्य ने की है। देवेंद्र यादव को पुलिस ने बलौदाबाजार हिंसा मामले में 17 अगस्त को गिरफ्तार किया है। तब से देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड की अवधि बढ़ती जा रही है। भिलाई विधायक के खिलाफ भीड़ को उकसाने तथा हिंसा भड़काने का आरोप है। इस मामले में बलौदाबाजार पुलिस ने 4 बार नोटिस जारी किया।

भाजपा सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था बदहाल

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, रोज हो रही हत्यायों से पूरी राजधानी में भय का माहौल है। हत्या और चाकूबाजी की

घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। जबसे राज्य में भाजपा की सरकार बनी है, राजधानी रायपुर में औसतन रोज तीन हत्या हो रही है। अपराधी इतने बेलगाम हो गये हैं कि सरेआम सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर चाकू मार रहे, पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। साय सरकार के राज में महिलाओं के प्रति अपराधों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो गयी है। मासूम बच्चियों के साथ घृणित दुराचार की घटनाएं बढ़ गयीं।

नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव समय पर कराने महंत ने राज्य निर्वाचन आयोग को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है। इससे पहले उन्होंने राज्यपाल रामेन डेका को भी पत्र लिखा था। राज्यपाल से पत्र का जवाब नहीं मिलने पर अब उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर चुनाव समय पर कराने की अपील की है।

मामले में उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, संविधान के विपरीत कदम उठाकर विधानसभा में संशोधन विधेयक पारित किया गया। विधानसभा में भी कांग्रेस ने विरोध किया। अब अंतिम हथियार अपनाते हुए निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है। राज्य निर्वाचन आयोग अपने कर्तव्य का निर्वहन कर समय पर चुनाव कराये। उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि छत्तीसगढ़ की पंचायतों तथा नगरीय निकायों का निर्वाचन कराए जाने के लिए भारत के संविधान के अनुच्छेद 243- के तथा 243-जेड ए के अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग का गठन किया गया है। इस आयोग का यह बंधनकारी संवैधानिक कर्तव्य है कि अनुच्छेद 243-इ और

243-यू के अनुसार समय पर निर्वाचन कराए। पंचायतों तथा नगर पलिकाओं की अवधि उनके निर्वाचन के बाद आयोजित प्रथम अधिवेशन के लिए नियत तारीख से पांच वर्ष होती है और इस विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व नया निर्वाचन पूर्ण किया ही जाना चाहिए।

निर्वाचन प्रक्रिया शुरू नहीं प्रावधानों का उल्लंघन

छत्तीसगढ़ की विद्यमान निर्वाचित पंचायतों की अवधि माह फरवरी 2025 की विभिन्न तारीखों में समाप्त होने जा रही है। निर्वाचित नगर पालिकाओं की अवधि माह जनवरी 2025 की विभिन्न तारीखों में समाप्त होने जा रही है, किंतु छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अब तक इनके गठन के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारंभ ही नहीं की गई है। यह स्पष्ट है कि संविधान के आदेशात्मक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन हो रहा है, जिसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग ही पूरी तरह से उत्तरदायी है।

सुप्रीम कोर्ट- हाईकोर्ट में याचिका दायर होते ही अब होगी प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति, सरकार का आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने सभी विभागों, राजस्व मंडल बिलासपुर, सभी विभागाध्यक्षों कमिश्नरों और कलेक्टरों को निर्देश दिया है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में याचिका दायर होने की सूचना मिलते ही संबंधित प्रशासकीय विभाग तत्परता से प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति करें। यही नहीं ये भी कहा गया है कि प्रभारी अधिकारी मामले के सभी पहलुओं से अवगत हों। उनकी ये जिम्मेदारी भी होगी कि वे संबंधित मामले के सभी दस्तावेज अभिलेख भी जमा करें।

राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने यह निर्देश जारी किया है। यह निर्देश दरअसल न्यायालयीन प्रकरणों में शासन का हित संरक्षण करते हुए जवाबदावा पेश करने संबंध में है। सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि शासन के संज्ञान में यह बात आई है कि हाईकोर्ट में याचिका दायर होने के बाद प्रभारी अधिकारी की नियुक्ति में अनावश्यक देर है, जिससे सरकार को न्यायालय में अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ता है। कई बार नियुक्त प्रभारी अधिकारी को प्रकरण की कोई जानकारी नहीं होती या प्रकरण में बिना पर्याप्त दस्तावेज अभिलेख के ही जवाबदावा तैयार करवाने के लिए महाधिवक्ता कार्यालय पहुंच जाते हैं। इस स्थिति को देखते हुए अब नए निर्देश दिए गए हैं।

- सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश
- बताया कोर्ट में जवाबदावा कैसे पेश करना है

प्रभारी अधिकारी को ट्रेनिंग भी दें

सामान्य प्रशासन विभाग ने कहा है कि यह भी आवश्यक है कि विभाग अपने स्तर से जिन अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी नियुक्त करते हैं, उनका प्रशिक्षण भी कराएं, जिससे वे अपने कर्तव्य एवं दायित्वों से अवगत हों। विभागों से सरकार की अपेक्षा है कि प्रकरण में जवाबदावा पेश होने से पहले संबंधित प्रभारी अधिकारी को उचित मार्गदर्शन दिया जाए। जवाबदावा पेश करने के पहले विभाग के सचिव से अनुमोदन भी प्राप्त किया जाए।

अदालत के आदेश पर कार्यवाही करें

ये भी कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट द्वारा आदेश पारित होने पर न्यायालयों द्वारा पारित आदेश के अनुक्रम में नियमानुसार युक्तियुक्त कार्यवाही समय सीमा में पूरी करें। हाईकोर्ट द्वारा यदि किसी प्रकरण में आदेश होता है, तो हाईकोर्ट की युगल पीठ में रिट अपील दायर करें तथा आवश्यकता पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी रिव्यू पिटीशन भी दाखिल करें।

न्यायालय तहसीलदार तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार //

रा.मा.क्र./ /ब/ 121 वर्ष 2024-25
धरसींवा, दिनांक 11/12/2024

ग्राम सांकरा प.ह.नं. 24, रा.नि.मं. रायपुर-19 धनेली तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण में आवेदक रामेश्वर नौरंगे पिता स्व. महेन्द्र निवासी ग्राम सांकरा, तहसील धरसींवा, जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि ग्राम सांकरा प.ह.न. 24 रा.नि.म. रायपुर-19 धनेली, तहसील धरसीवा, जिला रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 241/17 रकबा 0.0610 हे. भूमि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक द्वारा आवेदित भूमि का ऋण पुस्तिका प्राप्त हुआ था जो कही गुम हो गया है। आवेदक द्वारा आवेदित भूमि का द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका जारी किये जाने का निवेदन किया गया है। अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत द्वितीय प्रति ऋण बाबत प्रस्तुत आवेदन के संबध में, जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 07/01/2025 तक स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर धरसींवा, जिला- रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

(ग्राम-खमतराई रायपुर स्थित भूमि के संबंध में)

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार हितेश कुमार साहू पिता-श्री लखन लाल साहू निवासी-खमतराई रायपुर तहसील व जिला-रायपुर (छ.ग.) के द्वारा अविनाश कुर्रे पिता स्व. श्री आर.पी. कुर्रे निवासी-सतनामीपारा गुढ़ियारी रायपुर छ.ग. के भूमि स्वामी हक कि भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम-खमतराई, प.ह.नं.-108 रा.नि.मं. रायपुर-1, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित कृषि भूमि जिसका खसरा नं.- 517/1 रकबा 0.0210 हेक्टे भूमि को खरीदने का सौदा कर अग्रिम टोकन बयाना की राशि विक्रेता को प्रदान कर दिया है । विक्रय प्रतिफल की शेष राशि प्रदान कर बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति, निगम, वित्तीय अर्धशासकीय, शासकीय संस्था को उपरोक्त भूमि/ संपत्ति के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई भी ऊजर या आपत्ति हो तो मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज लिखित आपत्ति 07 दिनों के भीतर प्रस्तुत करे। बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नही होगा व अवैध व शून्य माना जावेगा। म्याद अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा । सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांकः-

भवदीय
एस.के. सिंह (अधिवक्ता)
गुरुद्वारा के पीछे स्टेशन रोड रायपुर (छ.ग.)
मो.नं. - 9424229512,9303789754

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रायपुर 16 (सारागांव) तहसील धरसींवा, जिला रायपुर

सीमांकन के संबंध में आम सूचना

दिनांक 02/01/2025

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक धरमदास मानिकपुरी द्वारा आवेदित ग्राम लालपुर प.ह.नं. 12 राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर 16 स्थित खसरा नंबर 298/8 रकबा 0.0570 हेक्टेयर का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के आदेश दिनांक 17/12/2024 के परिपालन में दिनांक 06/01/2025 के समय 1.00 PM बजे के पश्चात किया जाना है। अतः उक्त भूमि के सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त दिनांक/समय तक पटवारी हल्का नं. 12 के लालपुर स्थित कार्यालय में दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैद्य अभिभाषण के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में किसी दावा या आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. रायपुर 16 (सारागांव)

न्यायालय तहसीलदार नजूल रायपुर (छ.ग.)

रा.मा.क्र. 202501114300001 / 113 अ-20 (1) वर्ष 2024-25
1984 पट्टा नवीनीकरण पेशी दिनांक 16/01/2025

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष पिता तुरंगा निवासी कटोरातालाब रायपुर छ.ग. के द्वारा इस आशय से आवेदन पत्र पेश किया है कि मौजा कटोरातालाब रायपुर स्थित नजूल भूमि खसरा नंबर 55 का टुकड़ा भूखंड क्रमांक 36 रकबा 23.65 वर्गमीटर को भूमिहीन व्यक्ति को वर्ष 1984 में पट्टा प्रदान किया गया है जिसकी पट्टा की अवधि समाप्त होने से आवेदक द्वारा आगामी 30 वर्षों के लिए नवीनीकरण किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 16/01/2025 तक कलेक्टर कार्यालय रायपुर के कक्ष क्रमांक -07 में पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ईश्तहार आज दिनांक 01/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार नजूल
मुहर रायपुर (छ.ग.)

शपथपत्र

मैं श्रीमती सुशीला घृतलहरे आयु 65 वर्ष पिता श्री झंगलू घृतलहरे निवासी 552, वार्ड नंबर 11, शीतला मंदिर, सिलयारी, कुरूद, रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. की हूँ जो कि शपथ पूर्वक निम्न कथन करती हूँ:-

1. यह कि मेरा नाम आयु, पति का नाम एवं पता उपरोक्ता बताए अनुसार है।
2. यह कि मेरे द्वारा आई.डी.बी.आई. बैंक शाखा सिलयारी, कुरूद में एक बचत खाता क्रमांक 1189104000022507 संचालित किया जाता है, जिसमें मेरा नाम श्रीमती सुशीला दर्ज हे।
3. हय कि मेरा वास्तविक एवं सही अर्थात दस्तावेजी नाम "श्रीमती सुशीला घृतलहरे" है जिसका उल्लेख मेरे आधार कार्ड क्रमांक 2736 0387 5216, पेन कार्ड नंबर CXMPG6820K एवं मेरे समस्त शासकीय दस्तावेज में किया गया है।
4. यह कि मेरे बैंक आई.डी.बी.आई. बैंक शाखा सिलयारी, कुरूद में दर्ज नाम "श्रीमती सुशीला" एवं मेरे आधार कार्ड में दर्ज नाम "श्रीमती सुशीला घृतलहरे" उक्त दोनो नाम एक ही महिला अर्थात मेरा ही नाम है।
5. यह कि उक्त दोनो नाम "श्रीमती सुशीला" एवं "श्रीमती सुशीला घृतलहरे" एक ही महिला अर्थात मेरा ही नाम के समर्थन में यह शपथपत्र मैं सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ।

शपथकर्ता
सुशीला

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि द्वारा अटल विहार योजना आरंग जिला रायपुर (छ.ग.), में स्वतंत्र भवन क्रमांक **ई.डब्ल्यु. एस. टाईप-I/159,** को **श्रीमती नंदनी देवांगन पिता स्व श्री दाऊ लाल देवांगन,** के नाम से स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के मद में पूर्ण राशि जमा कर उप पंजीयन कार्यालय आरंग रायपुर से दिनांक 13.04.2018 को लीजडीड (पट्टा-विलेख) का निष्पादन करा कर आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान **श्रीमती नंदनी देवांगन पिता स्व श्री दाऊ लाल देवांगन,** निवासी :- लाखे नगर ढाल गांधी चौक, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को **श्रीमती पद्मिनी साहू पति श्री दिनेश कुमार साहू,** निवासी- 95/5, मांडदेवल वार्ड अस्तपाल गली आरंग थाना व तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः अटल विहार योजना आरंग जिला रायपुर में स्वतंत्र भवन क्रमांक **ई.डब्ल्यु. एस. टाईप-I/159** के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय /अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना नवा रायपुर अटल नगर जिला-रायपुर(छ.ग.)

खबर संक्षेप

पिछड़ा वर्ग संगठन ने की डॉक्टरों से मुलाकात

रायपुर। पिछड़ा वर्ग के समाज प्रमुखों और छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग संगठन के अध्यक्ष सूरज निर्मलकर के साथ आंबेडकर अस्पताल में सेवा दे रहे चिकित्सकों से मुलाकात की और नववर्ष की बधाई दी, जिसमें अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर, सहायक अधीक्षक डॉ. अनिल बघेल, देवप्रिय लकड़ा, डॉ. राजीव लोचन खरे, डॉ. मनोज साहू, डॉ. देव कुमार टंडन शामिल है। समाज प्रमुखों में गोपाल वर्मा, सुरेश नेताम, हेमंत, मनोज देवांगन, चंद्रेश देवांगन, महेंद्र वर्मा, साधुराम चौहान, शारदा प्रसाद सोनकर, वरुण निर्मलकर, जितेंद्र सोनकर, गोपाल सारथी, उदय राम निषाद, घनश्याम यादव, रोशन निर्मलकर, प्रभात सोनछत्र, अंबे बाघमार, नरेंद्र निर्मलकर आदि सभी समाज प्रमुखों ने नववर्ष के उपलक्ष्य में सम्मान किया।

डांस करने के दौरान चाकू से जानलेवा हमला

रायपुर। राजेंद्र नगर पुरैना में नए साल को लेकर नाच-गाने के कार्यक्रम के दौरान धक्का लगने से युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अरुण सोना की शिकायत पर पुलिस ने संजय रात्रे को गिरफ्तार किया है। संजय ने 31 दिसंबर की रात डांस करने के दौरान पैर लगने से योगेश साहू पर चाकू से हमला कर हत्या करने की कोशिश की थी।

फर्जी बिल बनाकर 45 लाख की ठगी

रायपुर। सरस्वती नगर थाने में एक निर्माण क्षेत्र से जुड़े कारोबारी ने अपने कर्मचारी के खिलाफ फर्जी बिल बनाकर 45 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मेसर्स कैलाश अग्रवाल फर्म में अकाउंटेंट का काम करने वाले सतीश सिंगौर ने अमित अग्रवाल के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। सतीश ने पुलिस को बताया कि अमित ने अमन ट्रेडर्स के नाम से फर्जी फर्म बनाकर निर्माण सामग्री का आर्डर कर बिल पेश किया और पैसा फर्जी फर्म में पैसा ट्रांसफर काकर ठगी की है।

प्रदीप को पीएचडी

रायपुर। प्रदीप कुमार साहू को कलिंगा विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनका विषय द साइबर सिक्योरिटी स्ट्रेटेजी एण्ड प्रेडिक्टिव इंफार्मेशन मॉडलिंग टेक्निक्स फॉर प्रिवेंटिंग साइबर क्राइम इन छत्तीसगढ़ था। इन्होंने डॉ. राजेश केशवराव देखमुख के मार्गदर्शन में अपना शोधकार्य पूर्ण किया।

चाकू लेकर घूमते धरे गए दो बदमाश

रायपुर। तेलघानी नाका चौक के पास धारदार चाकू लेकर खड़े बदमाश को थाना स्टाफ ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर पकड़ा। तलाशी लेने पर पैंट के पीछे कमर में एक चाकू कटारनुमा लकड़ी का मूठ लगा हुआ मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम समीर खान शांति नगर टंडन डेयरी के पास थाना सिविल लाइंस का रहवासी बताया। वहीं गंजपारा मंडी चबूतरा थाना गंज रायपुर के पास आरोपी राजेंद्र निषाद निवासी सेजबहार हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी थाना मुजगहन से एक स्टील का बटनदार धारदार चाकू बरामद किया गया।

निधन

नीरा अग्रवाल

रायपुर। गुढ़ियारी निवासी नीरा अग्रवाल (79) का 1 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 2 जनवरी को कोटा मुक्तिधाम में किया गया। वे गोपाल किशन अग्रवाल (भाटापारा वाले) की पत्नी और रमाशंकर, रविशंकर, नलिनी, शालिनी की माता थीं।

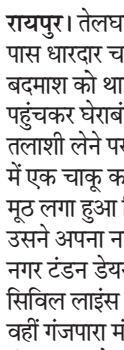

4 लोकेशन पर किराएदारों के किफायती आवास के 1100 ईडब्लूएस फ्लैट खाली, 4 गुना ज्यादा मिले आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गांधी सदन में पात्र हितग्राहियों को लाटरी निकालकर आवास आवंटन

कचना, सोनडोंगरी दलदल सिवनी, मठपुरैना में 1100 आवास के लिए मंगाये थे आवेदन

दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच 15 फीसदी अपात्र

नगर निगम द्वारा किरायेदारों के लिए किफायती आवास स्कीम में शहर के 4 विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्मित 1100 खाली पड़े ईडब्लूएस आवास के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाये गये। इसमें कचना, सोनडोंगरी, दलदलसिवनी और मठपुरैना में निर्मित आवास शामिल हैं। इसके लिए 4700 आवेदकों ने आवेदन किये। आवेदन के बाद दस्तावेजों की जांच की गई, जिसमें 15 फीसदी आवेदक अपात्र पाये गये। पात्र पाये 1100 हितग्राहियों को पात्रता अनुसार लाटरी निकालकर आवास आवंटन की प्रक्रिया अपनाई गई। भाठागांव क्षेत्र स्थित मठपुरैना के बीएसयूपी साइट में 406 बहुमंजिला ईडब्लूएस फ्लैट के लिए करीब 4 गुना ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए। मोर मकान मोर आस स्कीम के तहत रायपुर नगर निगम सीमा क्षेत्र में रहने वाले किरायेदारों को किफायती आवास के लिए निगम मुख्यालय ने आवेदन मंगाए। इन स्थानों पर निर्मित फ्लैट के लिए निर्धारित संख्या से ज्यादा आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। आवेदन पत्रों के साथ संलग्न दस्तावेजों की आनलाइन जांच की गई। बुधवार को मठपुरैना साइट में रिक्त 118 ईडब्लूएस आवास आवंटन के लिए लाटरी गांधी सदन के सामान्य सभागार में आमंत्रित हितग्राहियों के समक्ष निकाली गई। इसके पूर्व कचना, दलदल सिवनी और सोनडोंगरी में रिक्त ईडब्लूएस फ्लैट का लाटरी निकालकर पात्र हितग्राहियों को आवंटन की प्रक्रिया अपनाई गई थी।

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया चार स्थानों पर 1100 पात्र आवेदकों को ही लाटरी पद्धति से आवास आवंटन किया जा रहा है। बाकी के पात्र हितग्राहियों के नाम वेंटिंग लिस्ट में सुरक्षित रहेंगे। योजना के तहत यदि ईडब्लूएस श्रेणी के आवास लाटरी निकालने के बाद खाली रह जाते हैं, तो वेटिंग लिस्ट में शामिल हितग्राहियों को इसमें शामिल कर मौका दिया जाएगा।

मोवा ओवरब्रिज की डामर रोड उखाड़ने की तैयारी, ट्रैफिक पुलिस ने तय किया रूट

डायवर्ट रूट से महीनेभर होगी आवाजाही 3-4 किमी घूमकर पहुंचेंगे घर-आफिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मोवा ओवरब्रिज की सड़क पर डामर की मोटी परत चढ़ने से अब उसे उखाड़ने के लिए 4 जनवरी की रात से काम शुरू होने वाला है। इसके कारण रायपुर को बलौदा बाजार से जोड़ने वाले मोवा ओवरब्रिज से लोगों की आवाजाही डायवर्ट रूट का हिस्सा बनेगी। 14 साल में बार-बार डामरीकरण के कारण अब रीकंस्ट्रक्शन शुरू होने वाला है। इसके कारण करीब एक महीने इस रूट से आवाजाही डायवर्ट होगी। घर और आफिस पहुंचने के लिए लोगों को 3 से 4 किलोमीटर घूमकर आना-जाना होगा। लोधीपारा से मोवा को जोड़ने वाले ओवरब्रिज का मेंटेनेंस शनिवार रात से शुरू होने वाला है। करीब 800 मीटर लंबे ओवरब्रिज का रीकंस्ट्रक्शन करने में करीब एक महीना लगने वाला है। इस बीच दिन में लोग इस ब्रिज का उपयोग नहीं कर सकेंगे। इसीलिए लोगों का आना-जाना महीनेभर डायवर्ट रूट से ही होगा। मोवा अंडरब्रिज से छोटे वाहनों की आवाजाही बढ़ने से वहां दुर्घटना की स्थिति सामान्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा बनने वाली है। वहीं मोवा ओवरब्रिज का निर्माण शासन ने लोगों को रेलवे फाटक बंद होने से लगने वाले ट्रैफिक जाम से बचाने के लिए बनवाया। इस ओवरब्रिज पर वाहनों का दबाव भी ज्यादा है।

हरिभूमि सरोकार

फैक्ट फाइल

2011 में बनकर हुआ तैयार
12 करोड़ में बनवाया गया
800 लंबा ओवरब्रिज
30 दिन में पूरा होगा काम
80 लाख रुपए की मंजूरी
2 लाख से ज्यादा वाहनों का दबाव

रूट तय, अंडरब्रिज विकल्प

शनिवार रात से काम शुरू होने से दो दिन अंडरब्रिज से वाहनों की आवाजाही का विकल्प है। इसके बाद वर्किंग डे के बीच डायवर्ट रूट के लिए पाइंट तय है। वहां ट्रैफिक जवानों को भी जिम्मेदारी देंगे। भारी वाहनों की आवाजाही डायवर्ट रूट से होगी।

- गुरजीत सिंह, डीएसपी, ट्रैफिक, रायपुर

पहला विकल्प मोवा अंडब्रिज

ट्रैफिक विभाग ने अभी तक इस रूट को डायवर्ट करने के लिए पहला विकल्प मोवा अंडरब्रिज को ही रखा है। इससे छोटे वाहनों की आवाजाही होगी। इसके अलावा विधानसभा की ओर से आने वाले भारी वाहनों को खाद्य भंडार गृह और मोवा ओवरब्रिज के पहले से भी रेलवे फाटक कृषि मंडी की तरफ भी डायवर्ट करेंगे। इसमें माल वाहन और भारी मालवाहक शामिल होंगे। इसके अलावा ट्रैफिक संभालने के लिए इस रूट पर वीआईपी टर्निंग, दलदल सिवनी के साथ ही पंडरी रूट पर भी ट्रैफिक व्यवस्था बनाने पाइंट तय करने की तैयारी है।

वाहनों का दबाव इसलिए ज्यादा

मोवा, सड्डू, दुबे कॉलोनी, विधानसभा जाने के लिए मुख्य मार्ग है। मोवा ओवरब्रिज पर वाहनों का दबाव ज्यादा होता है। इससे ओवरब्रिज की सड़क ज्यादा टूटती है। मेंटेनेंस के चलते कई परतें चढ़ाई गईं। अब 4 जनवरी की रात से काम शुरू होने से दलदल सिवनी, सड्डू, उरकुरा, बलौदा बाजार और इस रूट की दो दर्जन छोटी-बड़ी कॉलोनियों सहित आसपास के हजारों लोगों का प्रतिदिन इस रूट से आना-जाना है। अब उन्हें घर-आफिस पहुंचने के लिए तय रूट से आने -जाने के लिए तीन से 4 किलोमीटर घूमकर ही आना-जाना होगा।

शहर में दर्जनभर स्थानों पर ठंड से राहत देने अलाव

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहरवासियों को ठिठुरन से बचाने नगर निगम प्रशासन ने शहर के दर्जनभर चौराहों सहित सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की है, ताकि लोगों को ठंड से राहत मिल सके। नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर 10 जोन के कमिश्नर के माध्यम से अलाव जलाने की व्यवस्था बनाई गई है। जोन स्तर पर लकड़ी और कंडे की व्यवस्था करने दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं।

- निगम ने सार्वजनिक स्थानों पर शीतलहर से बचने की व्यवस्था

शीतलहर में आम जनता को राहत देने गोगांव बाजार में सुलभ के पास, श्रीनगर सुलभ शौचालय के सामने, जयस्तंभ चौक, टाउन हाल, एम्स अस्पताल परिसर, टाटीबंध गुरुद्वारा गार्डन, अंतर राज्यीय बस स्टैंड के पास, रेलवे स्टेशन, आंबेडकर अस्तपाल के सामने, खमतराई बाजार, भनपुरी बाजार, लाखेनगर चौक सहित अन्य स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की जा रही है।

अलाव तापने जुट रहे लोग

राजधानी में ठंड बढ़ने के साथ ही चौराहों पर ठंड से राहत पाने अलाव तापने लोग जुटने लगे हैं। नये बस स्टैंड के सामने यात्रा के सिलसिले में बाहर से आने-जाने वाले यात्रियों को अलाव की व्यवस्था से राहत मिली है। जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल ने बताया कि आने वाले दिनों में 3 अन्य स्थानों पर लोगों को ठंड से राहत दिलाने अलाव की व्यवस्था जोन स्तर पर की जायेगी।

अनुकंपा नियुक्ति पाने भटक रहे लोग, रायपुर संभाग में 42 से ज्यादा आवेदन लंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर संभाग के जिलों में अनुकंपा नियुक्ति पाने के लिए लोग लगातार भटक रहे हैं। इसके बाद भी इन लोगों को अनुकंपा नियुक्ति मिल नहीं पा रही है। रायपुर जिला कलेक्टोरेट के जनदर्शन में करीब माह भर पूर्व सुजल पात्रे नामक युवक ने अनुकंपा नियुक्ति को लेकर गुहार लगाई है। आवेदन के माध्यम से सुजल ने प्रशासन को अवगत कराया है कि उसके पिता नगर निगम जोन-7 में कर्मचारी थे। वह अपने पिता की कमाई पर ही निर्भर था। उसकी मां की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। वह किराए के मकान में रहता है। माता-पिता दोनों की मृत्यु के बाद अब उसकी आर्थिक स्थिति खराब है, इसलिए उसे नौकरी की सख्त जरूरत है, लेकिन अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किए उसे कई महीने बीत चुके हैं। इसके बाद भी उसे नौकरी मिल नहीं पाई है।

रायपुर संभाग में अनुकंपा नियुक्ति 42 से ज्यादा आवेदन डंप

रायपुर संभाग के जिलों में अनुकंपा नियुक्ति के 42 से अधिक आवेदन डंप पड़े हैं। इन आवेदनों में अब तक नियुक्ति नहीं की गई है, जबकि संभाग कमिश्नर महादेव कावरे ने अनुकंपा नियुक्ति के इन लंबित आवेदनों पर सभी जिला कलेक्टरों को जल्द से जल्द नियुक्ति देने के निर्देश दिए है। विदित हो कि संभाग कमिश्नर कावरे ने अगस्त 2024 में विडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी जिला कलेक्टरों सहित अधिकारियों की बैठक ली थी। इस बैठक में उन्होंने संभाग के सभी जिलों में अनुकंपा नियुक्ति के आवेदनों की समीक्षा की थी। इस समीक्षा बैठक में सभी जिलों के अधिकारियों ने अपने-अपने जिले में अनुकंपा नियुक्ति के लंबित आवेदनों की जानकारी दी थी। इस तरह संभाग में अनुकंपा नियुक्ति के कुल 42 प्रकरण लंबित मिले थे। कमिश्नर ने इन सभी आवेदनों पर जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी कर अनुकंपा नियुक्ति देने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की गई है। यहीं कारण है कि अनुकंपा नियुक्ति के आवेदन लेकर लोग लगातार कलेक्टोरेट के चक्कर काट रहे हैं।

बघेल बोले- लोगों को बदनाम करने का काम कर रही एजेंसी

चालान पेश कर बताएं क्या साक्ष्य मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर ईडी की कार्रवाई को लेकर सियासत गरमाई हुई है। पूर्व मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ महत्वपूर्ण साक्ष्य मिलने वाले ईडी के ट्वीट पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एजेंसियों पर देश में लोगों को प्रताड़ित और बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, ये सिर्फ लोगों को बदनाम करते हैं। पूरे देश में ये एजेंसी यही काम कर रही। अभी तक चालान ही प्रस्तुत नहीं कर पाए। चालान प्रस्तुत कर बताएं कि क्या साक्ष्य मिला है। छत्तीसगढ़ के नगर निगमों में प्रशासक की नियुक्ति को लेकर भूपेश बघेल ने कहा, बहुमत के बल पर चुनाव को आगे बढ़ाने विधानसभा में संशोधन विधेयक लाकर पारित किया। अभी निगमों में प्रशासक बैठे हैं। एक महीने बाद पंचायतों का कार्यकाल भी समाप्त हो जाएगा। वहां भी प्रशासक बैठेंगे। एक देश एक चुनाव की बात करते हैं। चुनाव नहीं करा पा रहे, चुनाव से सरकार डर रही है। उन्होंने कहा, चुनाव को आगे बढ़ाने का असंवैधानिक कृत्य भाजपा सरकार ने किया है, इससे स्पष्ट है कि ये लोग संविधान को नहीं मानते।

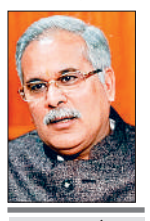

- लखमा के खिलाफ साक्ष्य मिलने वाले ईडी के ट्वीट पर उठाए सवाल

केंद्र, राज्य से कितना धान खरीद रही

धान खरीदी को लेकर भूपेश बघेल ने कहा, अब तक भारत सरकार कितना चावल लेगी यह क्लीयर नहीं है। शायद इसीलिए सरकार धान खरीदी से बचना चाह रही है, इसलिए उपार्जन में देर, बरदाना की परेशानी, टोकन की परेशानी, सब जानबूझकर किया जा रहा। भारत सरकार चावल लेगी कि नहीं ये भी नहीं पता। उन्होंने सवाल किया कि केंद्र सरकार आख़िर राज्य से कितना धान ख़रीद रही।

घर वापसी सिर्फ दिखावा

घर वापसी को लेकर जूदेव पदयात्रा पर बघेल ने कहा, घर वापसी सिर्फ दिखावा है। क्या इनके पास कोई रजिस्टर है। घर वापसी के बाद उन्हें किस जाति में मिलाया गया।

उधमपुर जाने 7 से 10 तक नहीं मिलेगी ट्रेन, कुछ ट्रेनों का बदला मार्ग

हैदराबाद, सिकंदराबाद और सूरत जाने में दिक्कत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय रेलवे में लगातार पटरियों का कार्य चल रहा है। इस वजह से हर सप्ताह लंबी दूरी की ट्रेन रद्द हो रही है। बीते दिनों रेलवे ने दुर्ग से रवाना होने वाली ऊधमपुर एक्सप्रेस को सफर से एक दिन पहले रद्द कर दिया था। अब यह ट्रेन 7 से 9 जनवरी तक रद्द रहेगी।

- इस सप्ताह जम्मू तवी और रांची रेल मंडल में होगा रेलवे अधोसंरचना का कार्य

बता दें कि उत्तर रेलवे के जम्मू तवी स्टेशन में यार्ड रीमॉडलिंग व अन्य संरक्षा संबंधित कार्य किया जाएगा। इस वजह से रेलवे ने जम्मू की ओर जाने वाली इस ट्रेन को रद्द कर दिया है। इसके साथ बिलासपुर से भी टाटानगर जाने वाली एक्सप्रेस को भी रद्द किया गया है। रांची रेल मंडल में विभिन्न सेक्शनों में अधोसंरचना कार्य के कारण 3 ट्रेनों का मार्ग भी परिवर्तन हो चुका है।

परिवर्तन मार्ग से चलने वाली ट्रेन

- 08 जनवरी को हैदराबाद से चलने वाली 07255 हैदराबाद-पटना स्पेशल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से राउरकेला-सिनी-चांडिल-मूरी-
- 11 जनवरी को मालदा डाऊन से चलने वाली 13425 मालदा डाऊन-सूरत एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से कोटशिला जंक्शन-मूरी-चांडिल- सिनी-राउरकेला होकर चलेगी।
- 07 जनवरी को रक्सौल से चलने वाली 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से कोटशिला जंक्शन-मूरी-चांडिल-सिनी- राउरकेला होकर चलेगी।

यह ट्रेन रहेगी रद्द

- 8 जनवरी को दुर्ग से चलने वाली 20847 दुर्ग-ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 10 जनवरी को ऊधमपुर से चलने वाली 20848 ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 7 जनवरी को दुर्ग से चलने वाली 12549 दुर्ग-ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 9 जनवरी को ऊधमपुर से चलने वाली 12550 ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 04, 6 से 15 जनवरी 18114 बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 05, 7 से 16 जनवरी 18113 टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

पेज 11 के शेष

महाकुंभ स्पेशल, एसी...

जाने वाली ट्रेन में अभी 500 से अधिक सीट स्लीपर में बची है। 1200 सीट में अभी 700 सीटों में अभी बुकिंग हुई है। बता दें कि नियमित चलने वाली सारनाथ और बरौनी एक्सप्रेस में सफर करना अब मुश्किल हो चुका है। जनवरी के प्रत्येक दिन इस ट्रेन में वेटिंग 60 से अधिक है। इसके अलावा शनिवार और रविवार को दोनों ट्रेन में वेटिंग 100 के पार है। स्पेशल ट्रेन का रूट बड़े स्टेशनों से है, लेकिन यह ट्रेन यूपी के छोटे स्टेशनों से होकर गुजरती है। इस वजह से वेटिंग अधिक है।

स्टेशनों पर विशेष चिकित्सा व्यवस्था

भारतीय रेलवे ने प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों पर तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की हैं। इन सुविधाओं में 24 घंटे ऑब्जर्वेशन रूमों की व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सेवा प्रदान की जा सके। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी जंक्शन एवं प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर ऑब्जर्वेशन रूम स्थापित किए हैं। इन रूम्स में हमेशा डॉक्टर और अन्य मेडिकल स्टाफ मौजूद रहेंगे। यहां सभी आवश्यक चिकित्सा उपकरण मौजूद होंगे।

8 को रायपुर से गुजरेगी दूसरी स्पेशल

पहली ट्रेन 08791/08792 दुर्ग-वाराणसी-दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल व 08253/08254 बिलासपुर-वाराणसी-बिलासपुर कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन वाया बिलासपुर, कटनी, प्रयागराज के मार्ग से चलाई जा रही है। 08791/08792 दुर्ग-वाराणसी-दुर्ग कुंभ मेला स्पेशल, दुर्ग से दिनांक 8 फरवरी (शनिवार)को व वाराणसी से दिनांक 10 फरवरी सोमवार) को रवाना होगी। 08253/08254 बिलासपुर-वाराणसी-बिलासपुर कुंभ मेला स्पेशल ट्रेन, बिलासपुर से दिनांक 22 फरवरी, शनिवार को वाराणसी से 24 फरवरी, सोमवार) को रवाना होगी। यह ट्रेन रायपुर से गोंदिया होते हुए वाराणसी जाएगी।

48 घंटे में 4 डिग्री...

तापमान में तेजी के साथ आ रहे बदलाव के चलते सर्दी-खांसी और वायरल जैसी स्वास्थ्यगत समस्याओं का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में और अधिक गिरावट फिलहाल नहीं आएगी। 3 व 4 जनवरी को न्यूनतम तथा अधिकतम तापमान लगभग स्थिर ही रहेगा। इसके बाद हल्के बादल छाए रहेंगे। 7 जनवरी तक पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। इस दारौन न्यूनतम तापमान में क्रमशः वृद्धि होगी। अर्थात आज और कल ठंड का सामना करने के बाद लोगों को थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

बलरामपुर में पारा...

अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक तथा न्यूनतम तापमान सामान्य से कम है। वर्तमान में पश्चिमी विक्षोभ के रूप में चक्रवाती परिसंचरण ईरान के मध्य भागों पर समुद्र तल से 3.1 और 5.8 किमी ऊपर बना हुआ है।

नाली में बेटी की...

के माध्यम से हत्या की जानकारी मिली। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक घर में लाइट बंद होने की वजह से हमीदा की नाबालिग बेटी पड़ोसी के यहां 31 दिसंबर को मोबाइल चार्ज करने गई थी। गुरुवार को समाचार पत्रों के माध्यम से पड़ोसी को नाबालिग की मौत होने की जानकारी मिली। इसके बाद पड़ोसी अन्य लोगों के साथ महिला के घर पहुंचे, तो घर के दरवाजे में कुंडी लगी मिली। इसके बाद पड़ोसियों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी।

मोबाइल जब्त कर पुलिस जांच कर रही

हमीदा की बेटी जिनके यहां मोबाइल चार्ज करने गई थी, उस मोबाइल को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस मोबाइल के कॉल रिकार्ड की जांच कर रही है। साथ ही पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मृतका की बेटी ने आखिरी बार किसके पास कॉल किया था और उनके क्या बात हुई है।

कई एंगल से जांच कर रही पुलिस

मृतका की उम्र 45 साल तथा उसकी बेटी की उम्र 15 वर्ष है। इस बात को देखते हुए एएसपी सिटी लखन पटले ने हत्या के कारणों की जानकारी जुटाने कई एंगल से जांच करने की बात कही। हत्या के पूर्व महिला तथा उसकी बेटी के साथ किसी अन्य तरह के अपराधिक कृत्य तो नहीं हुए हैं, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद होगी।

गला घोंटने के बाद...

पुलिस को बताया है कि महिला के रिश्तेदार भी गांव में रहते हैं, लेकिन उनका उनसे कोई बोलचाल नहीं थी। मौके पर पुलिस की डॉग स्क्वाड की टीम भी गई थी। बावजूद इसके पुलिस को हत्या को लेकर किसी तरह के सुराग नहीं मिले हैं।

नहीं दिया प्रकाशक...

अकाउंट सेक्शन की अलमारी पर कब्जा किए जाने के साथ ही कैशबुक भी प्रकाशक अपने साथ ले गया है। इसके कारण कर्मचारियों के वेतन सहित पापुनि द्वारा किए जाने वाले अन्य तरह के भुगतान पर संकट उत्पन्न हो गया है। सितंबर माह में पापुनि के जीएम प्रेम प्रकाश शर्मा को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद से वहां किसी की नियुक्ति नहीं हुई है। इस कारण भी अव्यवस्थाएं निर्मित हो रही हैं।

महीनेभर पहले ले...

राशि प्रदान किए जाने की मांग लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बताया जाता है कि कोर्ट ने प्रकाशक के पक्ष में फैसला सुनाते हुए संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया था। इसके आधार पर ही प्रकाशक द्वारा पापुनि की चीजें अपने कब्जे में ली जा रही है।

55 नई और चार...

दुकानें नियम के तहत आवंटित करेगा, जिसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का यह भी कहना है कि आवंटन की प्रक्रिया 8 से 10 दिनों के भीतर पूरी कर ली जाएगी, जिससे नई दुकानें चालू माह में ही खुल जाएंगी।

जिन वार्डों में कम दुकानें, वहां ज्यादा खुलेंगी

विभाग ने 55 नई एवं 4 पुरानी दुकानों को आवंटन करेगा। इसमें पुरानी दुकानें उसी वार्ड में खुलेंगी, जहां वे पहले संचालित थीं। इसी प्रकार 55 नई राशन दुकानों का आवंटन वार्ड में पहले से संचालित दुकानों की संख्या के आधार पर खोली जाएंगी। जिस वार्ड में हितग्राहियों की संख्या के तुलना में कम दुकानें हैं, उन वार्ड में ज्यादा दुकानें खुलेंगी। इसी अनुपात में किसी वार्ड में एक, किसी में 2 से 3 तो कुछ वार्डों में 4 से 5 दुकानें खोली जाएंगी।

अटैच की गई 4 दुकानों का दोबारा आवंटन

विभाग ने जिन पुरानी 4 दुकानों के लिए दोबारा आवेदन मंगाए हैं, उन सभी दुकानों को अलग-अलग कारण से निलंबित किया गया था। निलंबन के बाद इन चारों दुकानों को वार्ड के दूसरी राशन दुकानों में अटैच कर संचालित किया जा रहा था। अब इन अटैच की गई दुकानों का दोबारा आवंटन होगा।

खबर संक्षेप

उपमुख्यमंत्री साव ने वार्षिक कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने अखिल भारतीय कतिया समाज महासंघ (राष्ट्रीय संगठन) के सामाजिक कैलेंडर का विमोचन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रांतीय अध्यक्ष संतोष शिव, प्रांतीय महासचिव अभिषेक गढ़वाल ने रायपुर में कतिया समाज के सामाजिक भवन निर्माण के लिए ज्ञापन भी सौंपा। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर बेनी सिंह नाग, नरेश आम्रवंशी, सुखनंदन लाल शिव, सालिकराम गढ़ेवाल, संतोष गढ़ेवाल, भगवती गढ़ेवाल, दिलेश्वर गढ़ेवाल, अजय गढ़ेवाल, अमर नागरे और कतिया समाजजन उपस्थित रहे।

आय, जाति और निवास प्रमाणपत्र के लिए शिविर

रायपुर। पं. सुंदरलाल शर्मा वार्ड के भाजपा पार्षद मृत्युंजय दुबे ने जनता की सुविधा के लिए अश्वनी नगर स्थित वार्ड कार्यालय में चार दिवसीय 2 से 5 जनवरी तक शिविर लगाया है, जिसमें वार्ड के पटवारी भी उपस्थित रहेंगे। शिविर में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक प्रधानमंत्री आवास योजना, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, वंशावली प्रमाणपत्र और आधार कार्ड जैसे दस्तावेज बनाने के लिए आवेदन फॉर्म सत्यापित किए जाएंगे। साथ में वार्ड पटवारी भी आवश्यक तानुसार दस्तावेजों में सील, मुहर लगाकर दस्तावेजों को सत्यापित करेंगे। वार्ड पार्षद मृत्युंजय दुबे ने बताया कि शिविर में 86 नागरिकों ने पार्षद एवं पटवारी से दस्तावेजों में सील और मुहर लगवाकर प्रमाणपत्र प्राप्त किया। यह शिविर वार्ड कार्यालय में 5 जनवरी तक जारी रहेगा।

सामूहिक अवकाश पर जाएंगे प्रदेशभर के शिक्षक, पूर्व सीएम भी पहुंचे समर्थन देने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों के समर्थन में सभी शिक्षकों ने सामूहिक अवकाश लेने का निर्णय किया है। शिक्षक मोर्चा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर डीएड प्रशिक्षितों को नियुक्ति देते हुए बी.एड. प्रशिक्षित नवनियुक्त सहायक शिक्षकों की नौकरी सुरक्षित रखे जाने की मांग की है। शिक्षक मोर्चा के प्रदेश संयोजक संजय शर्मा, वीरेंद्र दुबे, मनीष मिश्रा, विकास राजपूत ने कहा, आने वाले दिनों में बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों के सेवा सुरक्षा के लिए प्रदेश के 1 लाख 80 हजार शिक्षक संवर्ग सामूहिक अवकाश ले सकते हैं।

शिक्षक मोर्चा ने कहा, जब तक कमेटी का सकारात्मक सुझाव न आए तब तक बीएड प्रशिक्षित सहायक शिक्षकों को सेवा से बाहर न किया जाए। साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए सेवा समाप्ति के निर्देश को निरस्त किया जाए। शासकीय सेवा में संलग्न करीब 2900 बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षक विगत 15 माह से बस्तर तथा सरगुजा सम्भाग के सुदूर अंचल में सेवारत हैं, इनकी भर्ती छत्तीसगढ़ राज्य भर्ती नियम 2019 के तहत हुई है। केवल नियुक्ति की तिथि के आधार पर इन शिक्षकों की नियुक्ति अमान्य घोषित हो गई है। अतः उनके प्रकरण पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की आवश्यकता है।

- शिक्षक मोर्चा संघ ने मुख्यमंत्री को लिखा खत, बीएड शिक्षकों के समर्थन में फैसला
- बुधवार को गिरफ्तार किए गए 31 शिक्षक हुए रिहा

साहू समाज भी उतरा समर्थन में : शिक्षकों के प्रदर्शन को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी समर्थन मिला है। वे गुरुवार को प्रदर्शनकारी शिक्षकों से मुलाकात करने पहुंचे। उन्होंने शिक्षकों से बातचीत कर उनकी पीड़ा जानी। वहीं छत्तीसगढ़ साहू समाज भी शिक्षकों के समर्थन में उतर गया है। प्रदेशाध्यक्ष टहल सिंह साहू ने कहा, यदि इन शिक्षकों का टर्मिनेशन वापस नहीं लिया गया और समायोजन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो छत्तीसगढ़ का समस्त साहू समाज और अन्य ओबीसी समाज शिक्षकों के प्रदर्शन को समर्थन देगा।

पद से पृथक ना करने की मांग

शासन द्वारा कहा गया है कि बीएड शिक्षकों के समायोजन के लिए कमेटी बनाई जाएगी। प्रदर्शन कर रहे सहायक शिक्षकों ने इस पर असंतुष्टि जताई है। उनका कहना है कि अब तक कोई कागजी कार्रवाई नहीं हुई है और ना ही उन्हें लिखित में कोई आश्वासन दिया गया है। दूसरी ओर उन्हें पद से हटाने का आदेश जारी कर दिया गया है। एक बार पद से हटाए जाने पर उनके पूर्व कार्यकाल की गणना सेवा में नहीं होगी। ऐसे में धरना दे रहे सहायक शिक्षकों ने नौकरी से ना निकालते हुए नो वर्क-नो पेमेंट आधार पर रखे जाने का आग्रह किया है। वहीं बुधवार को प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यालय घेर रहे 31 सहायक शिक्षकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, उन्हें गुरुवार को रिहा कर दिया गया।

जिले में करीब दो वर्ष पहले 13 खदानों के ऑफलाइन टेंडर निकालकर दिए गए थे ठेके पर

पांच रेत खदानों को पर्यावरण से एनओसी नहीं, फिर भी रात में चल रहा उत्खनन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

रायपुर जिले में रेत की 13 में से 5 खदानों में अभी भी अवैध रूप से रेत का खनन किया जा रहा है। रेत माफिया से जुड़े लोग रात के समय में इन खदानों में बेधड़क होकर रेत का खनन करने के बाद उसका परिवहन कर रहे हैं। रेत के इस अवैध कारोबार से हर रोज लाखों रुपए के राजस्व की क्षति शासन को हो रही है। इधर रेत के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है, लेकिन इसके बाद भी यह कारोबार थम नहीं पा रहा है। परिणामस्वरूप माफिया से जुड़े लोग रातभर उन खदानों में रेत का खनन कर रहे हैं, जिसकी अनुमति पर्यावरण विभाग से नहीं मिली है।

जिस खदान में अवैध खनन उस रास्ते में सूचक बोर्ड

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभनपुर क्षेत्र में एक ऐसी भी रेत की खदान है, जिसमें अवैध रूप से खनन तो किया जा रहा है, साथ ही इस खदान में जाने के लिए मेन रोड पर माफिया के लोगों ने एक अवैध रूप से सूचक बोर्ड भी लगा रखा है। इस बोर्ड में रेत घाट जाने का रास्ता लिखा हुआ है। इस बोर्ड को लगाने के पीछे यही कारण है कि रात के समय में रेत का परिवहन करने वाली गाड़ी चालकों को घाट जाने में परेशानी न हो।

अवैध परिवहन पर रोक लगाने लगातार की जा रही कार्रवाई

रेत के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। कुछ खदानों में रात के समय में खनन किए जाने की सूचना मिल रही है। इसे देखते हुए अब विभाग की टीम को रात में भी निरीक्षण करने भेजा जा रहा है। इस निरीक्षण के दौरान कई गाड़ियों को पकड़कर उनके मालिकों पर अर्थदंड लगाया गया है।

- केके गोलघाटे, उप संचालक, खनिज विभाग रायपुर

इन खदानों को अब तक नहीं मिला एनओसी

जिले में कुरुद आरंग, मोहमेला ए-आरंग, मोहमेला बी-आरंग, चिखली सी- आरंग एवं राटाकाट-आरंग को अब तक पर्यावरण विभाग से एनओसी नहीं मिल पाई है। इसके अलावा कागदेही-आरंग, कोलियारी-अभनपुर, पारागांव-अभनपुर, लखना-अभनपुर में भी रेत का अवैध खनन रात में जारी है। विभाग की कार्रवाई में इन खदानों से रेत परिवहन में संलिप्त कई गाड़ियों को पूर्व में पकड़ा भी गया है।

फरवरी 2023 में हुआ था ठेका

जिले में फरवरी 2023 में 13 रेत खदानों को लीज पर देने के लिए ऑफलाइन आवेदन मंगाए गए थे। इनमें एक से अधिक आवेदनों में समान बोली लगाने जाने के कारण ड्रा पद्धति से पर्ची निकालकर इन सभी खदानों को ठेके पर दिए गए थे। ठेके पर देने के बाद अब तक इनमें से 8 खदानों को ही राज्य पर्यावरण विभाग से खनन करने के लिए एनओसी मिल पाई हैं, शेष 5 खदानों को अब तक नहीं मिल पाई है। इस तरह करीब दो वर्ष होने के बाद भी 5 खदानों को वैध रूप से खनन की अनुमति नहीं मिल पाई है, लेकिन इसके बाद भी इन खदानों में अवैध रूप से खनन का काम धड़ल्ले से जारी है। विभाग के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि खदानों में रात के समय में छापा मारने में बहुत खतरा है। एक तो टीम में अधिकारी-कर्मचारियों की संख्या लिमिट होती है, वह भी बिना किसी सुरक्षा बल के टीम को औचक निरीक्षण करना पड़ता है। इसके अलावा रात में खदानों में अंधेरा रहता है। ऐसे में खदान में छापा मारा भी जाता है, तो अंधेरे का फायदा उठाकर वहां मौजूद सभी लोग भाग जाते हैं, जिसके कारण छापा मारना व्यर्थ जाता है।

आयुक्त ने चौराहों की यातायात व्यवस्था देखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- आधा दर्जन से अधिक ट्रैफिक दबाव वाले क्षेत्रों का अधिकारियों के साथ पैदल भ्रमण

निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने गुरुवार रात्रि शहर के आधा दर्जन से अधिक यातायात दबाव वाले प्रमुख चौराहों का पैदल भ्रमण किया एवं स्थल समीक्षा सहित अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए प्रमुख चौराहों की यातायात व्यवस्था दुरस्त करने निर्देश दिए।

इनमें मोतीबाग चौक, बंजारी वाले बाबा मजार चौक, शंकरनगर चौक, मेक इन इंडिया चौक तेलीबांधा, वीआईपी मार्ग श्रीराम मन्दिर चौक, पचपेड़ीनाका चौक, संतोषी नगर चौक, भाठागांव चौक रायपुरा चौक शामिल है।

आयुक्त श्री मिश्रा ने विभिन्न प्रमुख चौराहों में अवैध कब्जे हटाकर रोटरी का स्थायी निर्माण करने, ट्रैफिक सिग्नल दुरुस्त करने निर्देश दिये। साथ ही सड़क सीमा क्षेत्र में आ रहे विद्युत पोलों को शिफ्ट करने के सम्बन्ध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ये उपस्थित रहे

पैदल भ्रमण के दौरान अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, जोन कमिश्नर विमल शर्मा, एके हलदार, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, अंशुल शर्मा सीनियर, प्रभारी कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा, सहायक अभियंता आशुतोष सिंह, उप अभियंता नीतीश झा, जिला पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग, लोक निर्माण विभाग, छग पावर विद्युत कम्पनी के संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

बिजनेस साइट

डिज्नीलैंड मेले में छाया जलपरियों और फिश टनल का जादू

- रावणभाठा मैदान में मेला देखने उमड़ रही भीड़

रायपुर। राजधानी के नए बस स्टैंड के पास स्थित रावणभाठा ग्राउंड में चल रहा डिज्नीलैंड मेला इस बार दर्शकों का खास ध्यान आकर्षित कर रहा है। मेले की प्रमुख आकर्षण इस वर्ष इंटरनेशनल फिश टनल और जलपरियों के अद्भुत प्रदर्शन हैं, जो सभी आयुवर्ग के लोगों के लिए एक शानदार अनुभव बन गए हैं। फिश टनल में हजारों रंग-बिरंगी मछलियों के अलावा विभिन्न समुद्री प्रजातियां देखने को मिल रही हैं। वहीं फिलीपींस की जलपरियों के आकर्षक नृत्य और प्रस्तुति ने मेले को और भी खास बना दिया है। मेले में फन जोन और रोमांचक झूलों का भी खास ध्यान रखा गया है। यहां जायंट व्हील, ब्रेक डांस झूला, कोलंबस झूला और ड्रैगन झूला जैसे झूलों के साथ-साथ स्क्रीम टॉवर और जायंट फ्रिस्बी जैसे नए आकर्षण भी जोड़े गए हैं। खरीदारी के शौक रखने वालों के लिए मेले में एक भव्य क्रॉफ्ट बाजार भी सजाया गया है, जहां कश्मीर की साड़ी, बनारसी सिल्क, खादी शर्ट और राजस्थानी बैग जैसे हाथ से बने उत्पाद उपलब्ध हैं। इसके अलावा स्टोन ज्वेलरी, राजस्थानी एंटीक ज्वेलरी और फिरोजाबाद की रंगीन चूड़ियां भी यहां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

12 करोड़ का हाईटेक शास्त्री बाजार, सोलर लाइट लगाने स्मार्ट सिटी के पास फंड नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- क्रेडा को भेजा जाएगा प्रपोजल, तीन मंजिला हाईटेक बाजार परिसर तैयार
- प्रत्येक तल पर 21 दुकानें, पार्किंग और शौचालय की सुविधा

रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा बनवाये जा रहे तीन मंजिला शास्त्री बाजार व्यावसायिक परिसर की छत पर सोलर पैनल लगवाने सिटी के पास फंड नहीं है। इस कार्य में 68 लाख रुपये का खर्च अनुमानित है। ऐसे में अब रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड क्रेडा के पास इस कार्य के लिए प्रपोजल बनाकर भेजेगा।

मेट्रो सिटी की तर्ज पर राजधानी में 12 करोड़ की लागत से सर्व सुविधा युक्त तीन मंजिला शास्त्री बाजार व्यावसायिक परिसर बनाया जा रहा है। इसमें रैंप और बेसमेंट का कार्य महीनेभर में पूरा करने अनुबंधित एजेंसी को समय सीमा दी गई है। नए व्यावसायिक परिसर के प्रत्येक तल पर सब्जी विक्रेताओं के लिए 21 दुकानें बनाई गई हैं। 20 हजार वर्गफीट की जगह पर भूतल के साथ तीन तल का कांप्लेक्स बनकर तैयार है। इसमें गाड़ियों के पार्किंग की व्यवस्था और लोगों की सुविधा के लिए शौचालय भी बनाया गया है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि नवनिर्मित व्यावसायिक परिसर में दुकानों का आवंटन नगर निगम के बाजार विभाग से किया जाएगा। इसके लिए रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड नवनिर्मित शास्त्री बाजार व्यावसायिक परिसर को नगर निगम को हैंडओवर करेगी।

2 करोड़ का नया मटन मार्केट ले रहा आकार

शहर में शास्त्री मार्केट के पीछे 7300 वर्गफीट जमीन पर रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा करीब 2 करोड़ की लागत से नया मटन मार्केट बनवाया जा रहा है। इसमें 34 दुकानें मटन विक्रेताओं के लिए बनाई गई हैं। मार्केट के दोनों तरफ 12 मीटर चौड़ाई की सड़क के साथ ही नवनिर्मित मटन मार्केट की सभी दुकानों में कटिंग, वाशिंग, चेपिंग और हैंगिंग की व्यवस्था उपलब्ध कराई जायेगी। प्रत्येक दुकान में वेंटिलेशन का इंतजाम रखा जा रहा है। साथ ही वेस्ट वाटर कलेक्ट करने अलग से टैंक बनेगा, ताकि नगर निगम के सफाई विभाग की टीम समय-समय पर इस टैंक की नियमित रूप से सफाई कर सके।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

हरिभूमि

रायपुर, शुक्रवार 3 जनवरी 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

एजुकेशन अपडेट

अप्रेंटिसशिप पदों पर निकली भर्ती आईटीआई पास कर सकते हैं आवदेन

रायपुर। दसवीं, आईटीआई उत्तीर्ण ऐसे अभ्यर्थी, जो रेलवे में सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, उनके लिए खुशखबरी है। साउथ सेंट्रल रेलवे में अप्रेंटिसशिप के बंपर पदों पर भर्ती निकाली गई है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 27 जनवरी 2025 तक है। ऐसे में जो भी उम्मीदवार इस भर्ती में शामिल होना चाहते हैं, वे ऑनलाइन माध्यम से ऑफिशियल वेबसाइट scr.indianrail-ways.gov.in पर जाकर या इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक का उपयोग करके आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं।

4232 पदों पर नियुक्तियां

इस भर्ती के माध्यम से कुल 4232 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। ट्रेड के अनुसार एसी मैकेनिक के 143 पदों, एयर कंडीशनिंग के 32 पदों, बढ़ई के 42 पदों, डीजल मैकेनिक के 142 पदों, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक के 85 पदों, औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स के 10 पदों, इलेक्ट्रीशियन के 1053 पदों, इलेक्ट्रिकल (एस एंड टी) (इलेक्ट्रीशियन) के 10 पदों, पॉवर मेंटेनेंस (इलेक्ट्रीशियन) के 34 पदों, ट्रेन लाइटिंग (इलेक्ट्रीशियन) के 34 पदों, फिटर के 1742 पदों, मोटर मैकेनिक वाहन (एमएमवी) के 08 पदों, मशीनिस्ट के 100 पदों, मैकेनिक मशीन टूल मेंटेनेंस (एमएमटीएम) के 10 पदों, चित्रकार के 74 पदों और वेल्डर के 713 पदों पर भर्ती की जाएगी।

अप्रेंटिसशिप के लिए योग्यता एवं मापदंड

इस भर्ती में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी का न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी ने संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट भी प्राप्त किया हो। अभ्यर्थी की न्यूनतम उम्र 15 साल से कम और अधिकतम आयु 24 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को ऊपरी उम्र में नियमनुसार छूट दी जाएगी। ध्यान रखें कि आयु की गणना 28 दिसंबर 2024 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

नई जगह को एक्सप्लोर करने अब लड़कियां भी कर रहीं बाइक राइडिंग

ऐसा जुनून... घर वालों से छुपकर सीखी राइडिंग, नेचर से जुड़ने बाइक को बनाया साथी

जीवन का हर एक पड़ाव रोमांच के भरा है, जहां आने वाले समय में क्या होने वाला है? किसी को जानकारी नहीं है। भविष्य बनाने की चाह में वर्तमान को जीना भूलना नहीं चाहिए। इन दिनों राइडिंग का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा, अब यंग युवतियां भी इसमें शामिल होना पसंद कर रहीं। ऐसे में उन्होंने अपने सफर की चुनौतियां एवं अनुभव को हरिभूमि के साथ साझा किया है। वर्तमान को खुलकर जीना ही जीवन की पूंजी है, यह कहना है बाइक राइडर्स का।

दीपांजलि साहू ⏭ रायपुर

'समाज के लोगों से लड़ने से पहले लड़कियों को अपने घरवालों से लड़ने की जरूरत पड़ती हैं। उन्हें यह समझाना होता है कि हमें बाइक चलाना पसंद है। परिवार में बड़ों को समझाना सबसे बड़ी चुनौती होती है, जिनसे अनुमति लेकर बाइकिंग का प्लान बना सकते हैं। राइडिंग अपने आप में ही अलग अनुभव है, जिसे केवल बाइक राइडर ही समझ सकता है। प्रत्येक राज्य के विभिन्न शहरों की अपनी अलग पहचान एवं संस्कृति होती है, राइडिंग के दौरान उन सभी संस्कृति एवं परंपराओं से रूबरू होने का मौका मिलता है।'

सबसे अच्छा अनुभव ऑफ रोडिंग में

राइडिंग करना मेरा पैशन है, माइंड रिलैक्स करने के लिए सबसे अच्छा तरीका राइडिंग ही है। बाइक चलाते वक्त मन शांत हो जाता है, इससे कई परेशानियां दूर हो जाती हैं। बचपन से राइडिगं का शौक रहा, माता-पिता के प्रोत्साहन से राइडिंग करने का मौका मिला है। मैं बीते साल 2017-2018 से बाइक राइडिंग कर रही, वर्तमान में मेरी उम्र 23 वर्ष है। प्रशासनिक नौकरी की तैयारी के साथ बाइक राइडिंग करती हूं। बाइक राइडिंग का सबसे अच्छा अनुभव ऑफ रोडिंग में आता है, इसमें औरापानी वाटरफॉल और दलहा पहाड़ सबसे अच्छा एक्सपीरियंस रहा। राइडिंग से पहले कई बातों का ध्यान रखना जरूरी है। प्लान बनाने से पहले मैप को समझना। राइडिंग शुरू करने से पहले बाइक को तैयार करना होता है। *-प्रशंसा दास*

लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करना

बाइक राइडिंग का मुख्य उद्देश्य लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करना है। स्कूल-कॉलेज में जाकर विद्यार्थियों को इसकी जानकारी देना है। साल 2019-20 से लगातार एचपीवी की जानकारी दी जा रही है। अब तक 10 लाख लोगों को जागरूक करने का कार्य किया है। वर्तमान समय में 3 लाख किलोमीटर का सफर बाइक से तय किया। बाइक चलाते वक्त कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इसमें सबसे पहला मौसम होता है। राइडिंग के दौरान कई बार 50 डिग्री की गर्मी, लद्दाख की उबड़खाबड़ सड़क जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। *-डॉ. नर्मता सिंग*

एडवेंचर के लिए बाइक राइडिंग

बाइक हमारे लिए पंख की तरह है, अगर हमें उड़ना है, एडवेंचर करना पसंद है तो बाइक राइडिंग जरूर करें। पहली बार राइडिंग के लिए गोल्डन आइलैंड का सफर तय किया। राइडिंग का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ के अनोखे जगह के सफर को तय करना है। दोस्तों के साथ बाइक राइडिंग का अपना अलग एक्सपीरियंस होता है। बीते 2-3 सालों से बाइक राइडिंग कर रही और भारत के कई राज्यों का सफर तय किया है। *-डॉ. अंजलि ताम्रकर*

राइडिंग क्लब की शुरुआत कर दूसरों की बनी प्रेरणा

बाइक चलाते वक्त जब हवा चेहरे पर आती है, तो वह मेडिटेशन जैसा लगता है। राइडिंग में रोड और सड़क पर ध्यान होता है, इस दौरान मन शांत होता है। मेरे अनुसार राइडिंग का मतलब जीवन की आजादी है। जीवन के सभी तनाव को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ते हैं। इस समय व्यक्ति अपने वर्तमान को जीता है। बीते दो साल से राइडिंग कर रही, इसमें छत्तीसगढ़ के कई स्थानों में राइडिंग करने का मौका मिला है। इन दो सालों में अन्य युवतियों को राइडिंग के साथ जोड़ने का भी काम किया। वर्तमान में बेड गर्ल्स के नाम से राइडिंग क्लब का संचालक कर रही। जिसमें 10 से अधिक गर्ल्स मेंबर्स साथ हैं। *-एडवोकेट राशि तिवारी*

पहले माता-पिता से छिपकर की राइडिंग

अब तक का सबसे अच्छा अनुभव लद्दाख का रहा, जहां ऑफ रोडिंग बाइक चलाने में सबसे अच्छा अनुभव रहा। भारत के प्रत्येक राज्य की अपनी अलग संस्कृति और परंपरा है, जिसकी जानकारी राइडिंग के दौरान मिलती है। जब हम वहां के लोगों से मुलाकात और बातें करते हैं। बीते पांच सालों से राइडिंग कर रही। पहले 2-3 साल माता-पिता से छिपकर दोस्तों के साथ राइडिंग किया है। राइडिंग के दौरान चॉकलेट कैरी करें, इससे आपको भूख कम लगती है। एनर्जेटिक और पॉजिटिव थॉट आते हैं। *-एलीशा बाघ*

सिटी इवेंट

सफल होने हमेशा अपने अनुभवों पर चिंतन करने का निकालें समय

रायपुर। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर द्वारा शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के तहत युवा संगम चरण 5 का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए पांच दिवसीय आयोजन का समापन हुआ। इसमें असम के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराओं, धरोहर से जुड़ने और सीखने का अनुभव प्राप्त किया। मड़ई का आयोजन ऑडिटोरियम में हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ के युवा सांसद और पूर्व लोकसभा सदस्य अभिषेक सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने छात्रों को आराम क्षेत्र से बाहर निकलकर अनुभवों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

होगा व्यक्तित्व निर्माण

होगा व्यक्तित्व निर्माण आगे कहा कि "जब भी जीवन आपको अपनी सीमाओं से परे जाने का अवसर दे, बौद्धिक या शारीरिक रूप से उसे स्वीकार करें। ऐसे अनुभव आपके व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। वह परिवर्तन भी अनमोल होता है।" उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु और खुले विचारों वाला बने रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि "हमेशा अपने अनुभवों पर चिंतन करने का समय निकालें। ये चिंतन आपको अपने बारे में कुछ नया सिखाएंगे।

युवाओं को मिला प्रमाण पत्र

युवा संगम चरण 5 – आईआईएम रायपुर व असम विश्वविद्यालय के 45 छात्रों और 5 समन्वयकों को छत्तीसगढ़ लाने का एक प्रयास था। जिसका उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाते हुए लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना था। समापन के मौके पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह दिया गया। इसे प्रोफेसर राम कुमार काकानी, निदेशक आईआईएम और प्रो. आशा पूर्णा और मुख्य अतिथि ने वितरित किया।

ओडिशी नृत्य से देवी की उपासना संस्कृति और परंपरा से जुड़े दर्शन

रायपुर। स्वदेशी मेले में गुरुवार को शास्त्रीय नृत्यशैली के ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। शाम 5 बजे से शुरू हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में 20 से अधिक कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। उत्कल समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ओडिसी नृत्य एवं व्यंजन मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। मेला प्रबंधक डॉ. मंजुला जैन ने बताया, मेले का आयोजन कई वर्षों से हर साल किया जा रहा है। सप्ताहभर चलने वाले इस मेले में रोजाना विभिन्न समाज के सदस्यों को राज्यों की संस्कृति एवं व्यंजन प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य शहरवासियों को अनेक राज्यों की संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना है।

स्वदेशी मेले का आज अंतिम दिन

उत्कल समाज से प्रबंधक प्रीति दास ने बताया, समारोह में एकल एवं सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर सामूहिक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें पारंपरिक वेशभूषा के साथ मंच पर कलाकार झूमते नजर आए। ओडिसी नृत्य शास्त्रीय नृत्यशैली की प्रमुख विधा के साथ दर्शाया जाता है, जिसमें गाने के आधार पर कलाकार अपने हाव-भाव से मनमोहक प्रस्तुति मंच पर प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम के अंतिम दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, डॉ. पुर्णेंदु सक्सेना, श्रीकांत पवार सहित अन्य शामिल होंगे। अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

नव वर्ष पर 108 युवाओं ने किया जरूरतमंदों के लिए रक्तदान

रायपुर। जरूरतमंद व्यक्तियों की सहायता के उद्देश्य से बढ़ते कदम संस्थान द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया। नए वर्ष पर शहरवासियों को रक्तदान के प्रति जागरूक कर, मरीजों की सहायता करने की अपील की गई। दो दिवसीय रक्तदान शिविर में 108 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान युवावर्ग, महिलाएं एवं 50 वर्ष से अधिक के व्यक्तियों की उपस्थिति देखने को मिली। संस्था अध्यक्ष सुनील छतवानी ने बताया, संस्था द्वारा कई वर्षों से रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है, जो सालभर में दो-तीन विशेष दिन किया जाता है। रक्तदान प्रभारी बंटी जुमनानी और राजू नत्थानी ने बताया, शिविर में सबसे अधिक युवाओं की संख्या देखने को मिली, जिन्होंने अपने दोस्तों और करीबियों को भी रक्तदान के प्रति जागरूक करने का कार्य किया है।

200 से अधिक परिजनों को भोजन वितरण

नए वर्ष के अवसर पर वामा कैपिटल ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस दौरान कालीबाड़ी स्थित जिला अस्पताल में मरीजों के 200 से अधिक परिजनों को भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्याय की अध्यक्ष आस्था बाफना ने बताया, संस्था द्वारा प्रत्येक माह सामाजिक स्तर पर कार्य किया जाता है। इसमें सेक्रेटरी दिव्या जैन, खुशी गोलछा, श्वेता जैन, राधा सिंघानिया, नेहा गोलछा उपस्थित रहीं।

कार्नर न्यूज

महंत घासीदास संग्रहालय में हूबहू मानव का पुतला कर रहा चकित

यह जिंदा इंसान नहीं...मोम का है पुतला

कंधे पर लाल गमछा, सफेद धोती और हाथों में अखबार लिए चबूतरे के बाहर बैठा ग्रामीण आपको भी देखने में एकबारगी असली लगा होगा, लेकिन यह कोई इंसान नहीं, बल्कि मोम से बनाया गया एक पुतला है। इसे देखने पर अधिकांश लोगों को भ्रम होता है कि यहां कोई इंसान बैठकर अखबार पढ़ रहा है। यह पुतला महंत घासीदास संग्रहालय में है, जो लंबे समय से लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विभाग के मुताबिक, बालाघाट के कलाकार ने इसे बनाया है, जो लगभग 13 साल पुराना है। चेहरे की बनावट, आंख, नाखून और शरीर हूबहू इंसान की तरह है। संग्रहालय की गाइड रोशनी शर्मा ने बताया कि जब भी कोई नया व्यक्ति इस पुतले को देखता है तो आश्चर्यचकित हो जाता है।

रायपुर। हर व्यक्ति को यह पुतला पहली नजर में जिंदा इंसान ही लगता है। कई बार लोगों को इस पुतले से बातचीत करने हुए भी देखा गया है। उन्होंने बताया कि यह पुतला जितना पुराना होता जा रहा है, उतना ही जीवंत होने लगा है। लोगों को यह पुतला प्रभावित करे, इसके लिए विशेष ध्यान रखा जाता है। पुतले पर जो पेंट लगा है, वह अभी तक बदला नहीं गया है। विभाग की ओर से कपड़े समय-समय पर बदले जाते हैं, ताकि इसका आकर्षण बना रहे।

हर छह महीने में करते हैं सफाई

ग्रामीण के रूप में बना यह पुतला हर व्यक्ति को आकर्षित करता है। विभाग के मुताबिक, हर 6 महीने में इसकी नियमित सफाई की जाती है। पुतले पर शरीर का रंग हूबहू इंसानों की तरह है। आंखों की पुतली भी जीवंत है। यही वजह है कि लोग विश्वास नहीं कर पाते कि यह नकली है। संग्रहालय पहुंचने वाला हर व्यक्ति यहां इस पुतले की बनावट को ध्यान से देखता है। हर कोई पुतले के साथ अपनी तस्वीर लेता है।

इंसानों की तरह चेहरे पर चमक

संग्रहालय का यह पुतला 2013 में रखा गया है, लेकिन पुराना होने से यह अब लोगों को और भी आकर्षित करने लगा है। संग्रहालय में में रखा गया पुतला लंदन के मैडम तुसाद म्यूजियम के रखे मोम के पुतले को टक्कर दे रहा है। पुतले में इंसानी चमक इसे जीवंत बनाए हुए है। विभाग का कहना है कि यह पुतला कलाकार की कल्पना है। छत्तीसगढ़ में ग्रामीण किसान की झलक लोगों को इस पुतले में दिखाई दे रही है।

सिटी लाइव

नटराज नृत्य में ब्रह्मांड रचना विनाश की झलक ने मोहा मन

रायपुर। स्थापना दिवस के अवसर पर बच्चों के देशभक्ति और छत्तीसगढ़ी गीतों ने वृंदावन हॉल में बैठे लोगों का मन मोह लिया। सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में बुजुर्गों की चौपाल समाजसेवी युवा संस्था ने अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम अरूण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पोर्टल चौपाल न्यूज इन का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने संस्था के सामाजिक कार्यों की तारीफ की, साथ ही बच्चों को कंप्यूटर का प्रमाणपत्र सौंपा। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों ने..देश मेरा रंगीला, चक दे इंडिया.... बस्तरिहा गीत, हमन आदिवासी आन.. जैसे देशभक्ति और छत्तीसगढ़ी गीत से की। इस दौरान वहां बैठे लोगों की तालियों से पूरा हॉल गूंज उठा। वहीं पंखुड़ी मिश्रा ने अपनी कविता, तेरी थोड़ी-सी नवाजिश ने मुझे तख्त..... ऐ कृष्ण तेरी रहमतों ने मुरझायी पंखुड़ी को फिर दरख्त दे दिया, रेणु साहू की.. मां मेरी साया सहेली है तू, जो कभी न समझे वो पहेली है तू... जैसी कविताओं से माहौल को पूरी तरह से बांधे रखा।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में बतौर अतिथि विधायक मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, गुरु खुशवंत साहेब, कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुबोध हरितवाल, भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, उद्योगपति एवं समाजसेवक राजेश अग्रवाल, संस्था के संस्थापक प्रशांत पाण्डेय के अलावा जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, साखी फाउंडेशन, जागृति महिला मंडल, संगवारी महिला मंडल, हिंदी सांस्कृतिक परिषद वक्ता मंच, सर्व सेन समाज, मां नंदिनी फाउंडेशन, अर्पणा महिला मंडल, सोनी महिला मंडल, स्वाध्याय सतसंग मण्डली सहित अनेक संस्थाओं के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व चौपाल परिवार की सदस्य मंजू साहू ने किया।

सिटी लाइव

प्लास्टिक के नुकसान से हुए अवगत पॉलिथीन उपयोग नहीं करने लिया संकल्प

रायपुर। नववर्ष पर कॉलोनीवासियों ने नो पॉलिथीन अभियान में हिस्सा लेकर प्लास्टिक मुक्त करने का संकल्प लिया। 1 जनवरी को नए वर्ष के मौके पर राजधानी स्थित सफायर ग्रीन कॉलोनी में सुधा सोसायटी की ओर से आयोजित नो पॉलिथीन अभियान में बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी हिस्सा बने। इस दौरान लोगों ने उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया। सोसायटी के चैयरमैन गोपाल कृष्ण भटनागर ने कॉलोनीवासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए प्लास्टिक से नुकसान के बारे में बताया, साथ ही उन्होंने कहा कि यह एक गिलहरी प्रयास है, जिसमें और लोग धीरे धीरे जुड़ेंगे। इस दौरान सोसायटी की अध्यक्ष दीप्ति गोयल ने कहा कि नए वर्ष में प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करे, पर्यावरण को बेहतर बनाएं और खुद के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने नो पॉलिथीन अभियान का हिस्सा बनकर इस नेक कार्य में भागीदार बनें।

कपड़े से बने थैलों का निशुल्क वितरण

कार्यक्रम में सफायर ग्रीन कॉलोनी में नए साल पर सोसायटी के चैयरमैन गोपाल कृष्ण ने कपड़ों से बने थैले का निशुल्क वितरण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में सोसायटी के लोगों ने नो पॉलीथीन अभियान में हिस्सा लेकर सोसायटी और शहर को प्लास्टिक मुक्त रखने संकल्प लिया। विजेता अग्रवाल ने नो प्लास्टिक्स मूवमेंट में जमकर भाग लिया।

समाज लाइव

समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को रामलला के दर्शन कराएगा अग्रवाल समाज

रायपुर। समाज द्वारा 22 से 27 मार्च के मध्य विशेष तीर्थ स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इस ट्रेन में रामलला के अलावा काशी विश्वनाथ और प्रयागराग में त्रिवेणी संगम के दर्शन कराए जाएंगे। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष पंकज कृतिका ने बताया कि संगठन द्वारा अग्रवाल समाज के लिए अयोध्याधाम के दर्शन हेतु स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। इसे श्री अग्रसेन तीर्थ यात्रा का नाम दिया गया है। संगठन के संरक्षक महेंद्र सक्सेरिया एवं नेतराम अग्रवाल ने बताया की पूर्व में भी इस तरह की ट्रेन तीर्थ यात्रा का सफल आयोजन किया जा चुका है। यह यात्रा 22 मार्च से 27 मार्च तक आयोजित है। इस वर्ष रामलला के दर्शन के साथ-साथ श्रद्धालु गण प्रयागराज संगम स्नान एवं मां विंध्यवासिनी एवं बाबा विश्वनाथ के दर्शन का भी लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

रूपरेखा हुई तैयार

इस आयोजन के लिए प्रदेश अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं यात्रा प्रभारी राजेंद्र अग्रवाल राजू अपनी पूरी टीम के साथ पूरे छत्तीसगढ़ का दौरा कर रहे हैं। इसी तारतम में उनका दुर्ग आगमन हुआ अग्रसेन भवन में उनका ढोल नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत किया गया। सर्वप्रथम प्रांतीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज के संरक्षक कैलाश रूंगटा, अध्यक्ष गौरी शंकर अग्रवाल ने अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलंकर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महामंत्री संजय अग्रवाल, गंगा अग्रवाल एवं यात्रा सह प्रभारी सुरेश मंगल ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर समाज के सदस्यों को निशुल्क यात्रा का भी प्रावधान है। इस दौरे का उद्देश्य सामाजिक सद्भाव को बढ़ाने एवं समाज में एकता बनाए रखने का भी है। संगठन मंत्री संजय गर्ग एवं युवा अध्यक्ष आशीष सक्सेरिया ने बताया की इस यात्रा में न्यूनतम शुल्क में उच्च स्तरीय सुविधा दी जा रही है।

जैनम मानस भवन में शोभायात्रा के बाद कथावाचक रमेश भाई ओझा ने शुरू की श्रीमद भागवत कथा

भागवत कथा में छिलका-गुठली नहीं, इसमें सिर्फ रस ही रस, समझ में न आए तब भी सुनें

रायपुर वालों के लिए सौभाग्य की बात है कि ईशा का नववर्ष शुरू हुआ है। उसके दूसरे ही दिन सत्संग का अवसर मिला। सनातनी परंपरा हमारी प्राचीन परंपरा रही है। इसमें चैत्र में नववर्ष शुरू होता है। सनातन धर्म का समय-काल तो परमात्मा का है, जो अविनाशी और अखंड है। आप अपनी मान्यता के तहत नववर्ष को जब भी प्रारंभ करें, सबकी स्वतंत्रता है।

रायपुर। मुख्य बात यह है कि हमें कुछ नया करने का अवसर मिलता है। हमें मौका मिलता है, जीवन में बदलाव करने का। काल में क्या नया क्या पुराना, जो पैदा हुआ है उसका अंत तय है। पुराना साल हो जाता है, शरीर नहीं। भगवान को भजते हो तो नया बनने का मौका मिलेगा, क्योंकि श्रीमद भागवत कथा में न छिलका है न गुठली, केवल रस ही रस है। यह बात भगवताचार्य रमेश भाई ओझा ने जैनम मानस भवन में गुरुवार को कही।

नया संकल्प लेने का समय

हमने पहले क्या गलत किया, उस शोक में फंसे रहने के बजाय जीवनशैली में बदलाव लाते हुए यह तय करें कि कोई बुरा काम नहीं करूंगा। शुरू-शुरू में तो पालन करते हैं, जैसे ही समय बीतते जाता है, पकड़ ढीली होती है और फिर वहीं चले आते हैं। नया साल एक संकल्प है कुछ नया संकल्प लेने का। भगवान की कृपा से श्रीमद्भागवत कथा सुनने का अवसर मिला है। इन सात दिनों में जीवन में बहुत कुछ बदलाव ला सकते हैं। आगे कहा कि सोशल मीडिया से दूरी बनाकर श्रीमद्भागवत कथा का एक अध्याय या गीता का एक श्लोक पढ़ लें तो भी कल्याण तय है।

धूमधाम से निकली शोभायात्रा

जैनम मानस भवन में श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह का आगाज दोपहर 12 बजे शोभायात्रा से किया गया। वीआईपी रोड व जैनम मानस भवन के मोड़ से शुरू होने के बाद विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए भक्त धूमधाम से कथास्थल पहुंचे। भागवत पोथी को मिरानी परिवार के सदस्य सिर पर लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा का मुख्य द्वार पर पुष्पवर्षा करते हुए स्वागत किया गया। भगवताचार्य रमेश भाई ओझा, द्वारकेश लाल महाराज, मगनभाई राज्यगुरु इसका हिस्सा बने।

अपनी भलाई को कल पर न टालें

आलस्य और प्रमाद में भेद बताते हुए कहा कि जब लक्ष्य को भूल जाते हैं और विस्मृति आ जाए तो यह प्रमाद है। यह रुचि का अभाव है। आलस्य का मतलब यह है कि याद है, क्या करना है, लेकिन आज की जगह कल पर टाल देते हैं। व्याकरण के आचार्य भी कहते हैं, जो आज करना है, उसे कल पर क्यों टालते हैं? हम यह भी जानते हैं कि ऐसा करने से हमारा कल्याण होगा, भला होगा फिर भी कल पर टाल देते हैं। रस का अभाव है इसलिए कल पर टालने की बात आती है।

परंपराओं की स्थापना के लिए कथा जरूरी, स्वतंत्रता भी मर्यादित हो

रायपुर। अभी कुछ लोग कथाओं का आयोजन निरंतर करते रहते हैं। यह कोई परंपरा नहीं है, लेकिन इसे स्थापित करने के लिए कथा जरूरी है। वास्तव में समाज से विस्थापित हो रही परंपराओं की स्थापना के लिए कथाओं का आयोजन किया जाता है। महाराजश्री रामकिंकर के शिष्य मैथिलीशरण भाईजी ने गुरुवार को उक्त बातें वीआईपी रोड स्थित मौलश्री विहार में पत्रकारवार्ता के दौरान कही। भाईजी ने कहा कि चारों ओर नारी स्वतंत्रता का नारा मुखर है। स्वतंत्रता होनी चाहिए, लेकिन स्वतंत्रता की बहाली के लिए परतंत्रता की स्थापना भी उतनी ही जरूरी है। परतंत्रता के बिना स्वतंत्रता नहीं मिल सकती।

सीमाएं लांघना नहीं

स्वतंत्रता में मर्यादा का होना जरूरी है, फिर चाहे वह विधायिका हो, कार्यपालिका, न्यायपालिका, परिवार और घर हो। मित्रता हो या व्यावसाय का ही क्षेत्र हो। परतंत्रता को बिना स्वीकारे कभी स्वतंत्रता की स्थापना नहीं हो सकती, लेकिन स्वतंत्रता की एक मर्यादा होनी चाहिए, अन्यथा यह नुकसान का कारण बन जाती है। वाणी में भी परतंत्रता की जरूरत है। स्वतंत्रता की एक सीमा है, जिसे लांघना नहीं चाहिए। भाईजी ने कहा कि घर, परिवार, पिता-पुत्र, पति-पत्नी, मित्र के बीच परतंत्रता होती है, यह स्वतंत्रता के लिए जरूरी है।

माता सीता के चरित्र का करेंगे वर्णन

भाईजी ने बताया कि 3 से 10 जनवरी तक समता कॉलोनी स्थित महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज के सभागार में शाम 7 से 8.30 बजे तक कथा होगी। इस बार कथा का प्रसंग सीताजी के चरित्र का वर्णन है। सीताजी के चरित्र में तीन स्वरूप हैं, उनमें से एक शब्द ब्रह्मामयी, दूसरे स्वरूप में सीरध्वज (जनक) और तीसरे स्वरूप में अव्यक्त स्वरूपा है। इनके प्रसंगों पर सातों दिन प्रवचन होगा। उन्होंने कहा कि रामचरित मानस में कहीं भी कटुवाणी का प्रयोग नहीं हुआ है और न ही अहंकार का समावेश है।

एलुमनी मीट में बरसों बाद मिले बिछड़े दोस्त, याद आए बीते दिन

रायपुर। एलुमनी मीट में बरसों बाद मिले पुराने साथियों से बीते दिनों का यादों को साझा करते हुए दोस्त एक-दूसरे से मिले। किरोड़ीमल गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज रायगढ़ ने राजधानी के फाफाडीह स्थित होटल सेलिब्रेशन में एलुमनी मीट का आयोजन किया। कार्यक्रम में देश-विदेश में रह रहे छात्र भी इस एलुमनी मीट में पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्राध्यापक और पूर्व छात्रों को तिलक लगाकर, शॉल और नारियल भेंट कर हुई। इस दौरान सभी पुराने साथी एक-दूसरे से मिलकर पुरानी यादों का पिटारों खोलकर खूब हंसी ठिठोली करते रहे। इस दौरान पूर्व छात्रों ने पुराने गीतों पर जमकर डांस किया और खूब मस्ती की। इसके बाद एक-एक कर सभी छात्रों ने अपनी खास यादों को सामने रखा और आयोजन की तारीफ की। कार्यक्रम में 1982 से 2023 तक के सभी पासआउट छात्र शामिल हुए। जो वर्तमान में राजनेता, आईएएस, इंजीनियर जैसे पदों पर अपनी सेवा दे रहे हैं। इसमें आरएस गुरुदिवान(1985 प्रिंसिपल), आरएस श्रीवास्तव (वरिष्ठ व्याख्याता), डीएस पवार (पूर्व प्रिंसिपल), मोतीलाल साहू (विधायक, छात्र 1985 बैच), जितेंद्र

शुक्ला (कलेक्टर, 1987 छात्र), एसएन श्रीवास्तव (चीफ इंजीनियर, 1982 छात्र) समेत अनेक पूर्व छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन पूर्व छात्र आलोक अग्रवाल (एडमिन व कोषाध्यक्ष), सदस्य एमए निजार, जेपी सिंह ने किया।

दोस्तों से मिलने दूसरे राज्यों से पहुंचे पूर्व विद्यार्थी

साइंस कॉलेज के वर्ष 1992 बैच के दोस्तों ने एकसाथ मिलकर नववर्ष उत्सव मनाया। दोस्तों के इस समारोह में दिल्ली, लखनऊ, जबलपुर, मुंबई समेत छत्तीसगढ़ के विभिन्न जगहों से पुराने साथी पहुंचे। इस दौरान कॉलेज के पुराने दिनों को याद किया। आयोजन की प्रमुख विशेषता यह रही कि जिन सहपाठियों ने अपनी पढ़ाई के बाद विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचा स्थान बनाया है, उन्हें सम्मानित किया गया। इसमें नमिता उपाध्याय ने शिक्षा, सोनाली अग्रवाल ने सामजिक कार्यों, जितेंद्र गोलछा ने विभिन्न क्षेत्रों समेत छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, छत्तीसगढ़ सराफा, रायपुर सराफा के विभिन्न पदों पर अपना मुकाम बनाया है। आयोजन में 50 से ज्यादा लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। दोस्तों को एक साथ मिलाने को लेकर विशेष भूमिका जितेंद्र गोलछा, अनिल कश्यप, पंकज रविंद्र शर्मा, शैलेंद्र दीवान की रही। लगभग एक माह से आयोजन की तैयारी की जा रही थी।

फल-फूल और सब्जी की प्रदर्शनी में लाएंगे हजार से ज्यादा पौधे

रायपुर। शहर में राज्यस्तरीय फल, फूल, सब्जी प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसे प्रकृति की ओर सोसायटी, उद्यानिकी विभाग, जिंदल स्टील एंड पॉवर लिमिटेड, आईजीकेवी और नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जाना है। यह प्रदर्शनी सिविल लाइंस स्थित गांधी-नेहरू उद्यान में 10, 11, 12 जनवरी को होने जा रही है। सुबह 11 बजे से लगने वाली प्रदर्शनी में एक हजार से अधिक फूल, सब्जी एवं फलों के पौधे प्रदर्शन के लिए रखे जाएंगे। आयोजन से एक सप्ताह पूर्व ही अन्य स्थानों से पौधों को लाने एवं सजावट का कार्य प्रारंभ कर लिया जाएगा। प्रदर्शनी में निर्भय धाड़ीवाल, दलजीत बग्गा, पुरुषोत्तम चंद्राकर और डॉ. अनिल चौहान समेत संस्था के सदस्य शामिल होंगे।

किचन गार्डन निर्माण संबंधी जानकारी

प्रकृति की ओर सोसायटी के प्रतिनिधि मोहन वर्ल्यानी ने बताया कि प्रदर्शनी के तीनों दिन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसमें शहरवासियों को गीला-सूखा कचरा के फायदे की जानकारी दी जाएगी। जहां घर पर ही गीला कचरा एकत्र कर खाद तैयार करने की विधि साझा की जाएगी। साथ ही घर पर छोटे स्थान पर किचन गार्डन के निर्माण प्रक्रिया को भी बताया जाएगा। विभिन्न संस्थाओं द्वारा बीते 14 वर्षों से प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण सरंक्षण एवं किसानों को नवीन तकनीक खेती संबंधित जानकारी प्रदान करना है।

मुख्य आकर्षण का केंद्र

बीते वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्कूल, महाविद्यालय के विद्यार्थी प्रदर्शनी में शामिल होंगे। इन्हें एक निश्चित थीम पर प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। साथ ही प्रदेश के विभिन्न जिलों से किसानों को आमंत्रित कर विशेष जानकारी साझा की जाएगी। जहां कृषि विशेषज्ञों को आमंत्रित कर उत्तम खाद निर्माण एवं फूलों की खेती के बारे में बताया जाएगा। इस दौरान कम भूमि क्षेत्र पर देशी-विदेशी फूलों की खेती कर अधिक आय प्राप्त करने के टिप्स दिए जाएंगे।

बाजार में इस बार रहेगी मिलेट्स के लड्डू की डिमांड

कार्नर न्यूज

मकर संक्रांति के पहले 450 रुपए किलो पहुंचा गुड़ और तिल का लड्डू, महिला समूह को मिला आर्डर

रायपुर। मकर संक्रांति से पूर्व बाजारों में रौनक दिखने लगी हैं, जहां दुकानों में तिल के लड्डू तैयार होने लगे हैं, वहीं इन दिनों व्यस्त दिनचर्या के चलते लोग बाजारों से ही मिठाई खरीदना पसंद करते हैं। ऐसे में महिला समूह एवं मिठाई दुकानों पर खरीदारों से ऑर्डर लिया जा रहा है, प्रत्येक वर्ष 40-50 किलो का ऑर्डर त्योहार में मिल जाता है। दुकानदार के अनुसार, बीते वर्ष के मुकाबले इस वर्ष तिल की कीमत सस्ती हुई है। संक्रांति पर्व में महिला समूह, गढ़कलेवा, मिठाई दुकान जैसे स्थानों पर ऑर्डर शुरू हो गया है। वही दुकानों से कम कीमत पर घरेलू महिलाओं द्वारा व्यंजन सामग्री तैयार की जा रही है। ऐसे में महिला समूह को सबसे अधिक ऑर्डर दिया जा रहा, त्योहार के नजदीक आते ही ऑर्डर में भी तेजी देखी जाती है। इस वर्ष शुगर फ्री लड्डू भी विशेष रूप से तैयार किया जा रहा है, इसे खरीदारों की डिमांड पर बनाया जा रहा है।

तिल गुड़ का लड्डू 450 रुपए किलो

कचहरी चौक स्थित दुकान संचालक प्रतिभा शर्मा ने बताया, मकर संक्रांति के अवसर पर 40-50 किलो का ऑर्डर मिला है। इसकी बिक्री 5 जनवरी से शुरू हो जाएगी। दुकान में तिल-गुड़ के लड्डू, खोया तिल का लड्डू और तिल और मूंगफली चिक्की तैयार की गई है। इसकी कीमत 450 रुपए प्रति किलो तय की गई है।

मूंगफली-गुड़ की बर्फी विशेष

महाराष्ट्र मंडल के महिला समूह की सदस्य मंजरी भगाडे ने बताया, संक्रांति के पहले से ही तिल-गुड़ से संबंधित व्यंजन तैयार किए जा रह हैं। अब तक 20 हजार से अधिक के व्यंजनों की बिक्री हो चुकी है। इस वर्ष तिल-गुड़ के लड्डू, बर्फी, तिल गुड़ की रोटी और मूंगफली-गुड़ की बर्फी विशेष रूप से तैयार की जा रहा है। तिल गुड़ की बर्फी 380 रुपए किलो है।

शुगर फ्री लड्डू की डिमांड

सिविल लाइंस स्थित गढ़कलेवा की प्रबंधक सरिता शर्मा ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि गढ़कलेवा में तिल, मुर्रा, रागी, मूंगफली एवं गुड़ के लड्डू तैयार किए जाते हैं। इस वर्ष विशेष रूप से मिलेट के भी लड्डू बनाएंगे। प्रत्येक वर्ष सबसे अधिक शुगर फ्री लड्डू का ऑर्डर मिलता है, जिसे 10 जनवरी से तैयार किया जाएगा। बीते कुछ सालों में स्वस्थ शरीर को ध्यान में रखते हुए शुगर फ्री व्यंजनों की डिमांड सबसे अधिक रहती है।

एक माह पहले ही बिक्री शुरू

प्रत्यूषा फाउंडेशन की प्रीति मिश्रा ने बताया, बीते वर्ष 110-112 किलो करी, तिल के लड्डू, तिल और मूंगफली की पापड़ी की बिक्री की गई। इस वर्ष भी त्योहार से एक महीने पहले खरीदारी शुरू हो गई है। खरीदारों की डिमांड पर घी एवं मनपसंद वस्तुओं के साथ भी लड्डू तैयार किए जाते हैं, जिसकी डिमांड हर साल रहती है।

सिटी स्पोर्ट्स

नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप आज से

रायपुर। वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग इंडिया एसोसिएशन ऑफ छत्तीसगढ़ एवं रायपुर डिस्ट्रिक्ट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन बूढ़ेश्वर मंदिर भवन बूढ़ा तालाब में 3 से 5 जनवरी तक किया गया है। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार ने बताया कि प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि दक्षिण विधान सभा रायपुर के विधायक सुनील सोनी करेंगे। विशेष अतिथि नगर निगम रायपुर के पार्षद कामिनी देवांगन, सरपंच पाटन श्रवण ठाकुर, किशोर महानंद महामंत्री बीजेपी और रूपेश राहंगडाले बीजेपी नेता होंगे। 5 जनवरी को बॉडी बिल्डिंग के पुरस्कार एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल सांसद रायपुर, विशेष अतिथि संजय शर्मा वीर हनुमान सिंह अवॉर्डी, जैतू साव मठ के अध्यक्ष रेवाराम यदु, दत्तात्रेय मंदिर के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल, बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के आजीवन अध्यक्ष शिव मोहन शुक्ला एवं वरिष्ठ बॉडी बिल्डर कांग्रेस नेता दिलीप सिंह चौहान होंगे।

नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ को मिला कांस्य पदक

रायपुर। 19 वी जुनियर नेशनल सॉफ्ट टेनिस चैम्पियनशिप चंडीगढ़ में 28 से 31 दिसंबर तक आयोजित की गई। जिसमें 16 राज्यों की टीम ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ प्रदेश की बालिका टीम ने कांस्य पदक प्राप्त किया। प्रदेश की बालिका टीम ने अपने पहले मैच में मध्यप्रदेश को 2-0 से परास्त कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जहां छत्तीसगढ़ की टीम का मुकाबला गुजरात से हुआ। यहां भी गुजरात को टाइ ब्रेक में हराते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किये। जहां चंडीगढ़ से दो एक से पराजित हो गयी। इस तरह टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। टीम में पूर्णिमा फरिकार, चंचल सारथी, यामिनी निषाद, रिया सोनकर, बरखा रानी गौड़, आंचल बारेकर, खुशबू बारेकर, विघा साहू थी। टीम की प्रशिक्षक रीमा और मैनेजर दिलीप विश्वकर्मा थे। टीम की जीत पर छत्तीसगढ़ सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के महासचिव प्रमोद ठाकुर और अध्यक्ष अनिल पुसदकर ने बधाई दी है। यह जानकारी प्रमोद ठाकुर महासचिव छत्तीसगढ़ सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन के सचिव ने दी।

रविवि की नेटबॉल टीमें ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जयपुर में लेगी हिस्सा

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की पुरुष और महिला नेटबॉल टीमें ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी नेटबॉल चैंपियनशिप सुरेश ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, जयपुर में हिस्सा लेगी। पुरुष टीम 1 जनवरी को जयपुर के लिए रवाना हुई। टीम के लिए 5 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सप्रे ग्राउंड, रायपुर में किया गया। इस शिविर का संचालन जिला नेटबॉल सचिव अनूप यदु द्वारा किया गया, और टीम मैनेजर मुकेश निषाद हैं।

खिलाड़ियों के नाम (पुरुष वर्ग) शैलेंद्र साहू, कारण भारती, उमेश साहू, आकाश, आनंद, रामकृष्ण, पंकज साहू, प्रदीप कर्ष, मनीष, श्रीजल वर्मा, विशाल सेन, प्रज्जोत शर्मा, और नरेंद्र साहू शामिल हैं। महिला टीम 5 जनवरी को जयपुर के लिए रवाना होगी। टीम के लिए भी 5 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

नेशनल जूनियर चॉक बॉल में छग ने किया प्रतिनिधित्व

रायपुर। तेलंगाना के सादनगर जिले में 23 से 25 दिसंबर तक 15वीं नेशनल जूनियर चॉक बॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के चयनित खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों ने छग का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें अजय कुमार भतपहरी कोच, ईश्वर प्रसाद सोनकर मैनेजर, अनुराग भतपहरी टीम कैप्टन, देशमुख कुर्रे, नमन साहू, नूतन निषाद, हर्षित सोनकर, अयान त्यागी, अर्हम सिद्धिकी, चेतन निषाद, ओमकार यादव, शिवांश सोनकर, पृथ्वीराज ब्रह्मे, देव कुर्रे ने छग राज्य की ओर से भाग लेकर राज्य का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में छग के टीम का प्रदर्शन सराहनीय रहा, टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची।

माहौल चाहे जैसा भी हो, अपनी सेहत का पहले रखें ध्यान

पार्टियों के इस दौर में डायबिटीज-हार्ट के मरीज बरतें सावधानी, थोड़ी सी भी चूक पड़ सकती है भारी

इन दिनों मौका पार्टियों का है। पुराने साल की विदाई के बाद साल के पहले दिन भी लोग पार्टियों और जश्न में डूबे रहते हैं। नए साल के स्वागत को लेकर हर तरफ तैयारियां जोरो-शोरों पर हैं। हर तरफ पार्टी का माहौल है, गीत-संगीत और जश्न के इस मौके का हम सभी को इंतजार रहता है। पर ध्यान रहे, जश्न और उत्साह में हमारी सेहत से कोई समझौता न होने पाए। पार्टियों के दौरान सेहत का पूरा ध्यान रखा जाना जरूरी है, विशेषतौर पर यदि आपको डायबिटीज या हार्ट की समस्या है तो और भी अलर्ट रहने की आवश्यकता है। पार्टियों में डीजे की तेज आवाज, तेल-मसाले वाला खान-पान आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। इसके अलावा इन दिनों कोरोना का जोखिम बढ़ रहा है जिसको लेकर भी सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

पार्टियों-जश्न के दौरान सेहत का कैसे ख्याल रखें?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, देश में कोरोना के नए वैरिएंट जेएन1 के कारण संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रविवार के आंकड़ों के मुताबिक देश में 19 मई 2023 के बाद पहली बार एक दिन में सबसे अधिक लोगों में संक्रमण देखा गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि पार्टियों में एकत्रित होने वाली भीड़ से कोरोना के प्रसार का खतरा हो सकता है, इसलिए संक्रमण से बचाव के लिए पार्टी में मास्क जरूर पहनें, संभव हो तो एक दूसरे से उचित दूरी बनाकर रखें।

डायबिटीज रोगियों के लिए सावधानी

पार्टियों में गड़बड़ खान-पान के कारण ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा रहता है, इसके अलावा इन दिनों ठंड भी बढ़ी है जिसका भी आपके शुगर लेवल पर नकारात्मक असर हो सकता है, इसलिए जरूरी है कि आप खान-पान को लेकर सावधान रहें। ज्यादा तले-भुने मसालेदार चीजों को खाने से बचें। मीठे पेय, कोल्ड ड्रिंक्स और मिठाइयां भी शुगर बढ़ा सकती हैं, इनका सेवन कम से कम करें। डायबिटीज रोगियों में कोरोना संक्रमण की स्थिति में रोग के गंभीर रूप लेने का खतरा हो सकता है, इसलिए कोरोना से बचाव जरूरी है।

हृदय रोगी रहें सावधान

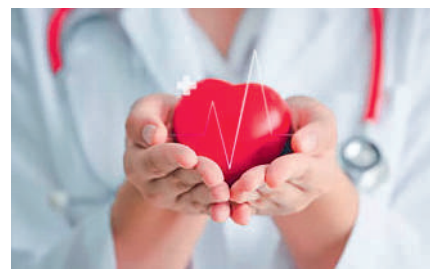

पार्टियों में बजने वाले तेज साउंड की आवाज आपकी हृदय गति को बढ़ा सकती है, जिससे हृदय की गंभीर समस्याओं का खतरा रहता है। इसके अलावा गड़बड़ खान-पान से ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल में भी बढ़ोतरी का जोखिम हो सकता है, ये हार्ट के लिए बहुत समस्याकारक है। हृदय रोगियों को पार्टियों में जाने से बचना चाहिए, अगर आप जा रहे हैं तो सेहत का विशेष ध्यान रखें।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नए साल के स्वागत में सेहत का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। खूब मौज-मस्ती करें, साल 2024 को खुशियों के साथ अलविदा कहकर नए साल 2025 का इस्तकबाल करें, पर सबसे जरूरी बात- हर समय अपनी सेहत का ख्याल रखें।

सोते समय बिस्तर के नीचे रखें पानी से भरा बर्तन, मिलेंगे कई ज्योतिष लाभ

अगर आपके घर में वास्तु दोष हैं और आपको इसकी वजह से कई समस्याएं होती हैं तो आपको कुछ विशेष उपाय आजमाने की सलाह दी जाती है। इनमें से एक है बिस्तर के पास पानी से भरा बर्तन रखना।

क्या आपको नींद न आने की समस्या है? क्या आपको आस-पास कुछ नकारात्मक ऊर्जाओं का एहसास होता है? क्या आपको अपने बनते काम भी बिगड़ते नजर आते हैं? इसके पीछे कई वास्तु दोष हो सकते हैं।

कई वास्तु दोषों को सफाई और सुरक्षा से जोड़ा जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर आपके घर में वास्तु दोष हैं तो उन्हें दूर करने के लिए कई युक्तियां अपनाई जाती हैं। इन्हीं युक्तियों में से एक है सोते समय बिस्तर के नीचे पानी से भरा कटोरा रखना।

ऐसा माना जाता है कि पानी से भरे कटोरे को बिस्तर के नीचे रखने से घर की समृद्धि बनी रहती है और जीवन में सकारात्मकता आती है। आइए ज्योतिषाचार्य डॉ आरती दहिया से जानें बिस्तर के नीचे पानी से भरा बर्तन रखने के फायदों के बारे में विस्तार से।

बिस्तर के नीचे पानी रखने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है : नकारात्मक ऊर्जा हमारे जीवन को कई तरह से प्रभावित करती है और ऐसा माना जाता है कि नकारात्मक ऊर्जाओं का हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। अगर हम बिस्तर के नीचे पानी से भरा बर्तन रखते हैं तो पानी में सभी नकारात्मक ऊर्जाएं अवशोषित होती हैं।

नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा पाने के लिए सबसे आसान तरीकों में से एक है बिस्तर के नीचे तांबे के बर्तन में पानी रखना। इससे आपको कई बुरी शक्तियों से मुक्ति मिल सकती है।

बिस्तर के नीचे पानी रखने से अच्छी नींद को बढ़ावा मिलता है : इंसान के जीवन में नींद और सोना न उसे सिर्फ शारीरिक तौर पर आराम देता हैं बल्कि ये ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में भी मदद करता हैं। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति का अवचेतन मस्तिष्क नींद के समय सबसे ज्यादा सक्रिय रहता हैं और अपने आस पास के वातावरण से ऊर्जा का एक्सचेंज करता हैं। शरीर की इसी प्रक्रिया को ज्योतिष में उपाय के तौर पर प्रयोग किया जाता हैं। यदि आप बिस्तर के नीचे एक कटोरे में पानी रखते हैं तो यह अच्छी नींद को बढ़ावा देता है जिससे शारीरिक ऊर्जा भी बनी रहती है।

ऐसे करें तैयार चॉकलेट केक खाकर हर कोई करेगा तारीफ

नए साल के लिए लोगों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिस तरह से बहुत से लोग अपने दोस्तों के साथ बाहर पार्टी करने जाते हैं, और समय व्यतीत करते हैं, ठीक उसी तरह से बहुत से लोगों को अपने परिवार के संग समय बिताना पसंद होता है।

चाहे पार्टी हो, या आप घर पर समय व्यतीत करें, नए साल के मौके पर सभी का मुंह मीठा कराना तो बनता ही है। अगर आप कुछ मीठा बनाने का सोच रहे हैं तो चॉकलेट केक एक बेहतर विकल्प है।

दरअसल, चॉकलेट केक एक ऐसी डिश है, जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक काफी चाव से खाते हैं। इसे बनना भी काफी आसान है। अगर आपको कुछ और समझ नहीं आ रहा है तो आप अपने मेहमानों और घरवालों के लिए घर पर ही स्वादिष्ट चॉकलेट केक तैयार कर सकती हैं। आप इसे बनाकर अपने घरवालों को खुश कर सकती हैं।

अगर आप न्यू ईयर की पार्टी के लिए घर पर केक तैयार करना चाहते हैं, तो सबसे पहले को अपने ओवन को 180 सेल्सियस पर प्री हीट कर लें। इसके बाद अब एक बड़े कटोरे में मैदा, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा और कॉको पाउडर को मिलाएं। इन सूखी चीजों को सही से मिलाने के बाद कटोरे में चीनी, दूध, तेल, वेनिला एक्सट्रेक्ट और अंडा डालें। अब इस चमचे की मदद से इसे सही से मिक्स करें। ध्यान रखें कि ना तो ज्यादा गाढ़ा होना चाहिए और ना ज्यादा पतला। इसका बेटर तैयार करते वक्त ये भी ध्यान रखें कि इसमें किसी तरह की गांठ नहीं पड़नी चाहिए। जब बेटर तैयार हो जाए तो इसमें चॉकलेट चिप्स डालें। बेटर तैयार करने के बाद एक केक पैन में तेल लगाकर इसे सही से ग्रीस करें। अब केक पैन में तैयार मिश्रण को डालें और 30-35 मिनट तक बेक करें। इस बीच एक बार चाकू की मदद से ये चेक जरूर कर लें कि ये सही से पक गया है या नहीं।

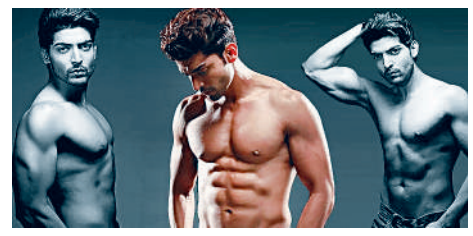

फिट रहना है तो डाइट पर रखें कंट्रोल और योग पर दें ध्यान

किसी भी एक्टर या स्टार का फिट रहना जरूरी होता है। क्योंकि उनका लुक ही उनका कैरेक्टर डिसाइड करता है। फिटनेस के बेस पर ही उनकी छवि लोगों में बनती है।बॉलीवुड में टाइगर श्रॉफ, रितिक रोशन, जॉन अब्राहम जैसे कई फिट और 6 पैक एब्स वाले एक्टर्स हैं। करोड़ों लोग उन्हें सोशल मीडिया पर फॉलो करके उनके जैसी फिटनेस पाने की कोशिश करते हैं। वे एक्टर क्या खाते हैं, कौन सा वर्कआउट करते हैं और फिट रहने के लिए क्या करते हैं? इस बारे में भी लोग अक्सर जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। ऐसे ही छोटे पर्दे से बड़े पर्दे पर कदम रखने वाले एक्टर का नाम है गुरमीत चौधरी

चंडीगढ़ में जन्मे गुरमीत को दर्शक 'रामायण' में भगवान राम के किरदार में देख चुके हैं। इसके अलावा वह कुमकुम : एक प्यारा सा बंधन, पुनर्विवाह,गीत-हुई सबसे पराई जैसे सीरियल के अलावा खामोशियां, वजह तुम हो जैसी मूवीज में भी देख चुके हैं। लॉकडाउन के दौरान गुरमीत ने होम वर्कआउट से खुद को फिट रखा। उनके एक्सरसाइज के वीडियोज और फोटोज काफी पसंद किए गए।

सबसे फिट एक्टर्स में से एक गुरमीत चौधरी ने फिट रहने का तरीका, फिटनेस सीक्रेट, डाइट और एक्सरसाइज के बारे में बताया। यदि आपको लगता है कि फिट रहने के लिए मेहनत की जरूरत होती है। किसी कारण से जिम जाने या हेल्दी डाइट नहीं ले पाते हैं तो वे लोग फिटनेस और सेहत पर गुरमीत का प्वाइंट ऑफ व्यू समझकर अपनी फिटनेस

जर्नी शुरू कर सकते हैं। गुरमीत ने कहा अक्सर शूट पर होने के कारण डाइट को मेंटेन करना काफी मुश्किल होता है। लेकिन हमें दोनों पक्ष देखने होते हैं। अपने शेड्यूल के साथ डाइट भी। क्योंकि अच्छी डाइट से ही हमारी सेहत सही रहती है। जब सेहत अच्छी रहेगी तब ही हम अच्छे से कैरेक्टर के लुक में दिख पाएंगे। वैसे मैं जब भी शूटिंग पर होता हूं मैं कुछ एक्स्ट्रा मील्स साथ रखता हूं। कई बार शूटिंग में लेट हो जाता है। ऐसे में मील भी स्किप न हो और भूख भी न लगे।

मैं वैसे हमेशा डाइट पर फोकस करता हूं लेकिन हफ्ते में एक बार चीट मील जरूर लेता हूं। और सभी से यही कहूंगा कि आप भी हफ्ते में एक दिन चीट मील जरूर लें। इससे डाइट पर फोकस बना रहता है और क्रेविंग भी कम हो सकती है। मेरा ब्रेकफास्ट हाई प्रोटीन से शुरू होता है जिसमें मैं एग व्हाइट, प्रोटीन शेक और एक फल लेता हूं। स्नैक्स में ड्राई फ्रूट्स लेता हूं, लंच में चिकन और सलाद का सेवन करता हूं।

यूं तो मैं नॉन वेजिटेरियन हूं लेकिन लॉकडाउन में मैंने अपने ऊपर एक एक्सपेरिमेंट किया कि वेजिटेरियन डाइट से फिट रह सकते हैं या नहीं। ऐसे में बताना चाहूंगा कि वेजिटेरियन फूड काफी स्वादिष्ट होते हैं जिनमें विटामिन, मिनरल्स आदि भरपूर मात्रा में होते हैं। इसलिए मैं अपने ऊपर किए एक्सपेरिमेंट से समझ सकता हूं कि वेजिटेरियन खाना खाकर भी फिट रह सकते हैं। लेकिन अपनी डाइट में मैं एक चीज का खास ख्याल रखता हूं कि मैं डाइट में चावल, रोटी और शुगर बिल्कुल नहीं लेता हूं। मैंने करीब 3-4 महीने पहले चावल, रोटी और शुगर का सेवन किया होगा। गुरमीत बताते हैं उनकी पत्नी देबिना बनर्जी मिठाइयों की शौकीन है और सामने मिठाई देखकर कंट्रोल करना मुश्किल होता है।

साल की पहली मुलाकात में दोस्तों और परिवार को दें कुछ खास तोहफे, हमेशा याद रखेंगे आपकी चाहत

नए साल 2025 की शुरुआत हो गई है। नए साल के स्वागत को लेकर लोगों में काफी उत्साह रहता है। साल का पहला दिन लोग अपने परिवार व दोस्तों के साथ मनाना चाहते हैं।

डायरी- नए साल पर दोस्त या परिवार के किसी सदस्य को तोहफे में डायरी दे सकते हैं। डायरी उनके काफी काम आ सकती है। लोग अपने दिल की बात, अपने विचार या रोज की रूटीन को अपनी डायरी में लिख सकते हैं। इसके अलावा वह जरूरी बातों को या जानकारी को भी डायरी में संजोकर रख सकते हैं। डायरी न्यू ईयर रेजोल्यूशन की याद दिलाने के लिए भी एक अच्छा तरीका है।

स्मार्ट वॉच- नए साल के मौके पर आप अपने परिवार के किसी सदस्य या दोस्त को तोहफे में स्मार्ट वॉच दे सकते हैं। स्मार्ट वॉच फिटनेस और लाइफस्टाइल को मेंटेन करने में काफी मददगार होती है। इसके अलावा रूटीन लाइफस्टाइल को भी आसान बना सकती है। स्मार्ट वॉच के फीचर काफी काम के होते हैं

किताब- अगर आपके दोस्त या परिजनों को पढ़ने का का शौक है तो उन्हें तोहफे में किताब दे सकते हैं। किताब उनके मनचाहे विषय पर होनी चाहिए। चाहे वह अध्यात्म से जुड़ी हो या फिटनेस, लाइफ स्टाइल और कविता- कहानियों का संग्रह हो।

ग्रीटिंग कार्ड- नया साल बिना ग्रीटिंग के कार्ड के अधूरा है। नए साल के मौके पर दोस्तों, रिश्तेदारों को न्यू ईयर की आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड तोहफे में दे सकते हैं। ग्रीटिंग में सुंदर शुभकामना संदेश लिख कर दीजिए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

गैल गैडोट को चौथी बार करानी पड़ी सर्जरी, बोलीं- मैं बस जीना चाहती थी

'वंडर वुमन' के किरदार से सभी का दिल जीत चुकीं

हॉलीवुड स्टार गैल गैडोट ने अपनी सर्जरी को लेकर एक पोस्ट सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट की है, जिसमें वह अपनी बेटी ओरी के साथ नजर आ रही हैं। गैल गैडोट ने अपनी हालिया गर्भावस्था के दौरान अपने मस्तिष्क में रक्त के थक्के के बारे में खुलकर बात की। गैल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी सेहत के बारे में जानकारी दी है।

गैल गैडोट ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने अपने अनुभव को याद करते हुए लिखा कि जब उन्हें निदान मिला तब वह आठ महीने की गर्भवती थीं और उनके चौथे बच्चे का जन्म उसके इलाज के लिए आपातकालीन सर्जरी से पहले हो गया था। इससे पहले फरवरी में, गैल ने लिखा, उन्हें रक्त के थक्के का पता चला, कई हफ्तों तक ₹भयंकर सिरदर्द के कारण मैं बिस्तर पर ही रही, जब मैंने एमआरआई करवाया तो भयानक सच्चाई मेरे सामने आई।₹ गैल ने यह भी लिखा, ₹एक पल में, मेरे परिवार और मुझे इस बात का सामना करना पड़ा कि जीवन कितना नाजुक हो सकता है। सब कुछ कितनी जल्दी बदल सकता है और एक कठिन साल के बीच में, मैं बस इतना चाहती थी कि टिके रहूं और जीऊं। हम अस्पताल पहुंचे, और कुछ ही घंटों में, मेरी आपातकालीन सर्जरी की गई। मेरी बेटी, ओरी भय के उस क्षण के दौरान पैदा हुई।₹ गैल गैडोट ने बताया कि उनकी बेटी के नाम का ओरी है ₹मेरी रोशनी₹ और सर्जरी से पहले उन्होंने अपने पति से कहा था कि ₹जब हमारी बेटी आएगी।

टॉलीवुड

'महानति' की स्क्रिप्ट सुनने के बाद कीर्ति का इनकार, सामने आया दिलचस्प किस्सा

कीर्ति सुरेश ने अपनी फिल्म 'महानति' को लेकर बात की है।

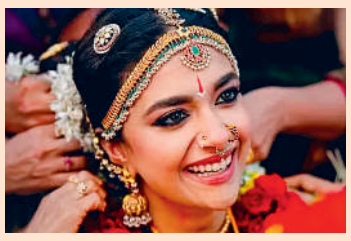

कीर्ति सुरेश ने बताया कि उन्होंने 4 घंटे तक फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी थी, इसके बाद उन्होंने फिल्म करने से मना कर दिया था। बेबी जॉन में अपने अभिनय का जादू चलाने वाली कीर्ति सुरेश इससे पहले 12 फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पांच साल में उन्होंने कई बड़े सितारों के साथ काम किया है। कीर्ति सुरेश को पहले नाग अश्विन की महानति भी ऑफर हुई थी। साल 2018 में आई ये फिल्म निर्माता, निर्देशक और अभिनेत्री सावित्री की जीवन पर आधारित रही। इस फिल्म करने से कीर्ति सुरेश ने ही सावित्री का रोल निभाया। हालांकि, इस फिल्म के लिए कीर्ति सुरेश ने मना कर दिया था। खबरों की मानें तो कीर्ति सुरेश ने चार घंटे तक फिल्म की सक्रिप्ट सुनने के बाद फिल्म करने से मना कर दिया था। फिल्म 'महानति' को लेकर कीर्ति सुरेश ने बताया कि जब नाग अश्विनी ने मुझे ये फिल्म ऑफर की तो मैंने इसे ठुकरा दिया था। इस फिल्म की सक्रिप्ट कीर्ति ने 4 घंटे तक सुनी थी। उन्होंने इस परप्रतिक्रिया दी कि सावित्री अम्मा की बायोपिक ठुकरा दी। मैंने ये फिल्म इसलिए ठुकरा दी कि कोई ऐसा न सोचे कि कोई अनजान लड़की कहीं से आकर अचानक किसी लीजेंड की बायोपिक कर रही है... क्या होगा अगर वे कहें कि मैंने इसे बर्बाद कर दिया?

कीर्ति सुरेश ने कहा कि वे इसके अलावा कुछ और सकारात्मक नहीं सोच पा रही थीं। वो बेहद डरी हुई थीं। उन्होंने कहा नाग अश्विन और प्रोड्यूसर ने बहुत विश्वास के साथ कहा कि वे ये किरदार निभा सकती हैं। कीर्ति ने कहा, हमें उनकी निजी जिंदगी के बारे में भी बताना है। अगर फैंस को ये पसंद नहीं आया तो? अगर वे इसे गलत दिशा में ले गए तो? लेकिन वे इसे लेकर बेहद आत्मविश्वास दिखा रहे थे।

कीर्ति ने कहा कि वे भविष्य में चाहे कितनी भी फिल्में कर लें, उस फिल्म की यादें उनके मन से नहीं जाएंगी।

भोजपुरी

'दहेज में राइफल' देख झूम उठा अक्षरा का दिल, रंगदार सईया से मिलाई नजरें

भोजपुरी सिनेमा की खूबसूरत और सुरीली सुपरस्टार

अक्षरा सिंह का नया गाना 'दहेज में राइफल' रिलीज हो गया है। खास बात ये है कि गाना कुछ ही घंटों में फैंस की जुबान पर चढ़ गया है और वायरल हो रहा है। करीब साढ़े तीन मिनट के इस गाने में अक्षरा सिंह खुद भी साड़ी में लिपटी दबंग स्टाइल में नजर आ रही हैं। जबकि म्यूजिक वीडियो में उनके साथ अंशुमान सिंह भी हैं, जो उनके रंगदार सईया बने हैं। इस नए भोजपुरी गाने को जहां अक्षरा सिंह ने अकेले ही गाया है, वहीं इसके बोल आशीष तिवारी और अर्जुन आदित्य ने मिलकर लिखे हैं। गीत से सजाने का काम छोटू रावत ने किया है। म्यूजिक वीडियो के डायरेक्टर आशीष सत्यार्थी हैं और कोरियोग्राफी अनजु मौर्या की है। गाने की शुरुआत अक्षरा सिंह से होती है, जो अपने रंगदार सईया को देखकर एक्साइटेड हैं। वह अपनी सखियों के साथ खुशी से झूमने लगती हैं और बताती हैं कि उन्हें हमेशा से ऐसा ही रंगदार सईया चाहिए था। आगे वह कहती हैं कि सईया जी को दहेज में राइफल चढ़ाई जाएगी। गाने को जहां कुछ ही घंटों में हजारों व्यूज मिल गए हैं, वहीं फैंस ने इस वीडियो पर खूब सारे कॉमेंट्स भी किए हैं। कोई अक्षरा को बिहार की शेरनी बता रहा है, तो कोई उनकी सुरीली आवाज की तारीफ कर रहा है। एक यूजर ने लिखा है, 'खुद के दम पर भोजपुरी इंडस्ट्री में राज करने वाली शेरनी हो आप।'

वॉन का कलेक्शन

मशहूर मॉडल ड्रीस वॉन नोटेन ने डिजाइनर के बिना खुद के लिए अधोवस्त्र, स्लिप-ऑन ड्रेस और बरमूडा शॉर्ट्स का एक उत्कृष्ट संग्रह तैयार किया। लंदन फैशन वीक में अपने कलेक्शन की नुमाइश के दौरान वॉन ने अपनी ड्रेस को कढ़ाई, सर्पधारी प्रिंट, धारियों और चमकीले रंगों के साथ फिर से व्याख्यायित किया। इसे फैशन प्रेमियों ने खूब पसंद किया।

स्टाइलिश दिखने के लिए मफलर का इस्तेमाल इस तरह से करें

सर्दी के मौसम में मफलर पहनने का ट्रेंड काफी पुराना है। मफलर आपको स्टाइलिश बनाने के साथ गर्मी देने का भी काम करता है। इसलिए अधिकतर लोग विंटर सीजन में मफलर को पहनना पसंद करते हैं। या यूं कहें कि मफलर के बिना विंटर वार्डरोब पूरा नहीं हो सकता है।

और हो न हो, शायद आप भी मफलर के शौकीन हैं! जैकेट, ब्लेजर, स्वेटर आदि विंटर टॉप वियर्स के साथ मफलर को लोग कैरी करते हैं। कई लोग इसे गले में लटका लेते हैं तो कई लोग गले में लपेट लेते हैं और कई लड़के मफलर को सिर पर बांधे दिखाई देते हैं। मगर सबसे पहले हमें मफलर को सही तरीके से पहनना मालूम होना चाहिए।

जैकेट्स: विंटर जैकेट्स सर्दी के मौसम में अधिकतर लड़के पहनते हैं। मगर इसके साथ मफलर को पहनने का तरीका बहुत कम लोगों को पता है। इसी वजह से वे लोग मफलर पहनने के बाद अच्छे नहीं दिखते हैं। इसलिए जैकेट्स और मफलर को सही तरीके

से पहनना जान लें।

पहला तरीका: विंटर जैकेट्स के साथ मफलर को पहनने का सही तरीका है- उसको गले में लटका लें। दोनों ओर से बराबर रूप से मफलर के दोनों सिरे लटके हुए होने चाहिए। यहां पर एक बार ध्यान रखें कि मफलर की लेंथ जैकेट्स की लेंथ से बड़ी नहीं होनी चाहिए।

दूसरा तरीका: इसके अलावा मफलर को दोहरा करके अपनी गर्दन के दोनों तरफ डालें। मफलर के खुले छोर वाले हिस्से को दूसरी तरफ वाला फंदा बने हिस्से में डालकर हल्का सा कस लें। इस स्टाइल में खूबसूरत दिखेंगे और ये सबसे आसान तरीका होता है।

स्वेटर्स : स्वेटर्स और मफलर का कॉम्बिनेशन सबसे पुराना है। ये दोनों लंबे समय से एक दूसरे के साथ ही रह रहे हैं। मगर इसके साथ ही मफलर पहनते वक्त कई पुरुष गलतियां कर देते हैं। लेकिन अब से आप मफलर को स्वेटर के साथ सही तरीके से पहन सकते हैं।

हला तरीका: स्वेटर के साथ मफलर को कभी भी खोलकर न पहनें। ये विंटर लुक को बिगाड़ने का काम करता है। स्वेटर के साथ मफलर की परफेक्ट मैचिंग तभी होगी जब आप मफलर को दोहरा करके अपनी गर्दन के दोनों तरफ डालें। उसके बाद मफलर के खुले छोर वाले हिस्से को दूसरी तरफ वाला फंदा बने हिस्से में डालकर हल्का सा टाइट कर लेंगे।

बनारसी साड़ी से खिल उठता है रूप इसका जतन करने जानें जरूरी टिप्स

बनारसी साड़ी में किसी भी महिला का लुक क्लासी और रॉयल लगता है लेकिन अधिकतर महिलाएं चाह कर भी बनारसी साड़ी ज्यादा नहीं पहन पातीं। इसकी वजह होती है महंगी बनारसी साड़ियों के खराब होने का डर होना। ऐसे में अगर आपके पास भी बनारसी साड़ी हैं तो उसके रखरखाव और साफ करने के तरीकों के बारे में जरूर जान लें।

बनारसी साड़ी धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

बनारसी साड़ी को साफ करते समय छोटी सी गलती से भी आपकी साड़ी खराब हो सकती है। अपनी बनारसी साड़ी को सालों तक नई जैसी रखने के लिए इन बातों को ध्यान रखें।

बनारसी साड़ी धोने का तरीका

बनारसी साड़ी को वैसे तो ड्राई क्लीन करवाया जाता है, लेकिन अगर आप घर पर ही बनारसी साड़ी धो रही हैं तो हल्के साबुन या डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। हार्ड साबुन से आपकी बनारसी साड़ी का कपड़ा खराब हो जाता है। हल्के साबुन का घोल बनाकर उससे साड़ी को धोना चाहिए।

साड़ी धोने के लिए इस्तेमाल करें ठंडा पानी

बनारसी साड़ी को धोने के लिए हमेशा ठंडे पानी का उपयोग करें। गर्म पानी से साड़ी का कपड़ा खराब हो सकता है। ठंडे पानी से बनारसी साड़ी धोने से उसका रंग भी नहीं उतरता है और कपड़ा साफ भी हो जाता है।

बनारसी साड़ी पर लगे दाग हटाने का तरीका

अगर आपकी बनारसी साड़ी में कोई दाग लग गया है तो उसे हटाने के लिए कभी भी हार्ड वॉशिंग पाउडर या प्रोटीन स्टेम रिमूवर का इस्तेमाल न करें। न ही डिटर्जेंट में साड़ी को भिगोकर रखें। ऐसा करने से भले ही साड़ी का दाग साफ हो जाए, लेकिन साड़ी का रंग भी फेड हो जाता है। दाग निकालने के लिए प्रोटीन स्टेन रिमूवर को केवल दाग वाली जगह पर डालें और साफ कर लें।

साड़ी को रगड़ कर न धोएं

अक्सर महिलाएं बनारसी साड़ी को अन्य कपड़ों की तरह ही ब्रश से रगड़ कर धो देती हैं। हालांकि बनारसी साड़ी को साफ करने के लिए ब्रश का इस्तेमाल कभी न करें। इससे साड़ी फट सकती है।

कोल्ड वैक्सिंग करवाते हुए इन बातों को ना करें नजरअंदाज

आजकल बहुत सी महिलाएं अनचाहे बालों को हटाने के लिए कोल्ड वैक्सिंग का सहारा लेती हैं। लेकिन अगर आप कोल्ड वैक्सिंग करवा रही हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए।

जब भी आप कोल्ड वैक्स को अपनी स्किन पर लगाएं, तो यह अवश्य सुनिश्चित करें कि आपकी स्किन अच्छी तरह क्लीन हो। इसलिए हमेशा यह सलाह दी जाती है कि अपनी स्किन पर मौजूद तेल, लोशन या गंदगी को हटाने के लिए पहले जेंटल क्लींजर का इस्तेमाल करें। अगर आप चाहती हैं कि कोल्ड वैक्स से आपको अधिक बेहतर रिजल्ट मिले और इनग्रोन हेयर की समस्या का सामना ना करना पड़े तो आप अपनी बॉडी को एक्सफोलिएट भी जरूर करें।

हालांकि, इस बात का ध्यान रखें कि आप उसी दिन एक्सफोलिएट ना करें, बल्कि एक या दो दिन पहले अपनी स्किन पर स्क्रब अप्लाई करें। कुछ लोग यह सोचते है कि कोल्ड वैक्स हॉट वैक्स से अधिक सुरक्षित है, इसलिए वे इसे सीधे ही अपनी स्किन पर अप्लाई करना शुरू कर देते हैं। हालांकि, अगर आप पहली

बार कोल्ड वैक्स कर रही हैं तो हमेशा एक छोटे से एरिया पर पैच टेस्ट करें। इससे आपको यह पता चल जाएगा कि कोल्ड वैक्स आपकी स्किन पर किस तरह रिएक्ट कर रही है।

हॉट वैक्स की ही तरह कोल्ड वैक्स को अप्लाई करने का भी एक सही तरीका होता है। अगर आप इसे गलत तरीके से अप्लाई करती हैं तो इससे आपको अधिक दर्द होता है। साथ ही साथ, बाल भी सही तरह से नहीं निकलते हैं। मसलन, आप कोल्ड वैक्स को हमेशा बालों के बढ़ने की दिशा में ही लगाएं। साथ ही, कोल्ड वैक्स स्ट्रिप लगाते समय इसे स्किन पर मजबूती से दबाएं। जिससे स्ट्रिप हटाते समय बाल आसानी से निकल जाएं।

कहीं इन वजहों से तो आपके बाल नहीं दिखते डल, जानिए

कई लोगों के बाल बहुत अधिक बेजान व डल नजर आते हैं। इसके लिए वे कई उपाय अपनाते हैं। लेकिन उन्हें बालों के डल दिखने के कारणों की जानकारी नहीं होती है। तो चलिए जानते हैं इस बारे में।

कई बार ऐसा होता है कि हम तेज धूप में ओपन हेयर लुक में बाहर निकलते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बालों की शाइन कहीं खो जाती है और बाल डल नजर आने लगते हैं। इतना ही नहीं, कई बार बहुत अधिक हवा चलने पर भी अगर बाइक आदि से ओपन हेयर में घूमा जाए तो इससे बाल डल हो सकते हैं। हम कभी इस ओर ध्यान नहीं देते हैं, लेकिन हेयर ड्रायर का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से भी बाल डल नजर आ (दो मुंहे बाल) सकते हैं। अमूमन हम अपने बालों को वॉश करने के बाद उन्हें सुखाने के लिए हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करते हैं।

लेकिन उसके बाद बालों पर सीरम नहीं लगाते हैं, जिससे बाल रूखे व डल बन जाते हैं। इतना ही नहीं, अगर नियमित रूप से हेयर ड्रायर का इस्तेमाल किया जाए तो भी बालों की शाइन कहीं चली जाती है। सुनने

में आपको शायद अजीब लगे, लेकिन अगर आप अपने आहार पर ध्यान नहीं देते हैं तो इससे भी आपको बालों में डलनेस की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

कोशिश करें कि आप एक बैलेंस डाइट लें और उसमें आपको पर्याप्त विटामिन और मिनरल्स मिलें। इसका हेयर हेल्थ पर गहरा असर पड़ता है।

कार्नर न्यूज

जनवरी महीने में मौसम को देखते हुए उठाएं जरूरी कदम

इस मौसम में आउटिंग के लिए इन कपड़ों को दें प्राथमिकता, ठंड से भी होगा बचाव

लोगों का ऐसा मानना है, कि जितनी खुशी के साथ आप इस मौसम में परिवार के साथ आउटिंग पर जाएंगे आपका आने वाला समय उतनी ही खुशियों भरा होगा। ऐसे में हर कोई नए साल वाले दिन अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय व्यतीत करता है। अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ कहीं जाने या अपने शहर में ही आउटिंग का प्लान बना रहे हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, अब जब नया साल शुरू हो चुका है तो सर्दी भी अपने पूरे शबाब पर है। ऐसे में जनवरी के महीने में आउटिंग के लिए आपको कपड़ों का ध्यान देने की बेहद जरूरत है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगी तो ठंड के मौसम में आपकी तबियत खराब हो सकती है। आपको जनवरी महीने की आउटिंग के लिए कुछ फैशन टिप्स जानना चाहिए, ताकि ठंड भी आपसे दूर रहे और आप स्टाइलिश भी दिखें।

जींस-टॉप

अगर ऐसे कपड़े पहनने का सोच रहीं हैं जो फुल भी हों, और जिसको पहनकर आपका लुक प्यारा भी लगे तो सबसे बेहतर विकल्प तो जींस और फुल टॉप ही है। वुलेन टॉप आपको आसानी से बाजार में मिल जाएंगे, जिसे आप कैरी करके जलवा दिखा सकती हैं।

फ्लोरल कुर्ता

सर्दी के मौसम में जह हल्की-हल्की धूप निकलती है तो इस तरह का फ्लोरल कुर्ता आपको खूबसूरत लुक दे सकता है। ऐसे में अगर आप अपने दोस्तों के साथ घूमने जा रही हैं तो इस तरह का कुर्ता पहन सकती हैं। इसके साथ आप ओपन स्वेटर कैरी कर सकती हैं।

ड्रेस के साथ कोट

अगर आप ड्रेस पहनने का सोच रही हैं तो इसके साथ ब्लेजर काफी कमाल का लगेगा। इस लुक को पूरा करने के लिए पैरों में बूट जरूर पहनें। ये आपको सर्दी से बचाएगा।

ब्लेजर

अगर आप क्लासी लुक कैरी करना चाहती हैं, तो जींस के साथ इस तरह का ब्लेजर कैरी कर सकती हैं। ये आपको खूबसूरत दिखने में मदद करेगा, साथ में इसकी वजह से आपको सर्दी भी नहीं लगेगी। इसके साथ अपने बालों में आप पोनीटेल बना सकती हैं।

ओवर साइज स्वेटर

इस तरह का ओवर साइज स्वेटर देखने में कमाल का लगता है। ऐसे स्वेटर को आप जींस के साथ कैरी कर सकती हैं। इसके बाद अगर आप अपने बालों में मेसी बन बनाएंगी तो आपका लुक बेहद कूल दिखेगा।